मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख शुक्ल 4 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 216, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ स्त्रियों से राजनीतिक छल अब चलेगा नहीं

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत बोलीं... 6

रांची में जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या

- मौके पर पहंचे सांसद संजय सेठ
- रक्षा राज्य मंत्री के घर के पास हुई घटना

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र स्थित ओटीसी मैदान के पास मंगलवार को जमीन कारोबारी भार्गव सिंह को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गोलीबारी में घायल जमीन कारोबारी भार्गव सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। पारस अस्पताल में भार्गव सिंह का इलाज चल रहा था। डॉक्टरों की टीम ने भार्गव को बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन असफल रही।

सांसद संजय सेठ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से इसकी जानकारी ली। इस बारे में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा- यह सूचना मिली है कि अपराधी पैदल ही आए थे और भार्गव सिंह को पेट में गोली मार कर पैदल ही चले गए। यह घटना राजधानी रांची की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसिंग को आईना दिखाने वाली है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुबह-सुबह अपराधी आते हैं और गोली मारकर पैदल ही निकल जाते हैं। घटना के पीछे का कारण चाहे जो भी हो परंतु यह स्पष्ट है कि राजधानी में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। इस मामले में पुलिस अधिकारियों से बात कर अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करने और ऐसी अपराधी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाने को निर्देशित किया है।

महुआ चुनने गई महिलाओं पर जंगली भैंस ने किया हमला, दो की मौत

लातेहार: पलामू टाइगर रिजर्व अंतर्गत लातेहार जिले के छिपादोहर पश्चिम वन क्षेत्र स्थित गुरीकरम जंगल में महुआ चुनने गई महिलाओं पर जंगली भैंस ने हमला कर दिया। इस घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सिलमानिया देवी और शांति कुमारी के रूप में हुई है। दोनों मोरवाई गांव की रहने वाली थे। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को तत्काल 50-50 हजार रुपए मुआवजा दिया गया। दरअसल गांव की कुछ महिलाएं महुआ चुनने के लिए गांव से थोड़ी दूर पर स्थित जंगल में सुबह-सुबह चली गई थी। इसी दौरान जंगल में अचानक जंगली भैंस के झुंड ने दो महिलाओं पर हमला कर दिया। जंगली भैंस ने दोनों महिलाओं को जंगल में ही पटक पटक कर मार डाला। इधर देर शाम तक जब महिलाएं वापस घर नहीं लौटी तो परिजन परेशान हो गए और महिलाओं को ढूंढने के लिए जंगल में गए। काफी खोजबीन करने के बाद भी महिलाओं का आता-पता नहीं चला। परिजन जब तक घटनास्थल पर पहुंचे दोनों महिलाओं की मौत हो गई थी।

इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद मंगलवार को वन विभाग की टीम और स्थानीय जनप्रतिनिधि ने गांव पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली। इस संबंध में मुखिया आशीष सिंह चेरो ने बताया कि दोनों महिलाएं जंगल में महुआ चुनने के लिए गई थीं। लेकिन जंगली भैंस ने हमला कर दोनों को मार डाला। उन्होंने कहा कि वन विभाग से मुआवजा की मांग की जा रही है। वहीं इस संबंध में फॉरेस्टर रजनीश कुमार ने कहा कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। महिलाओं के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा।

मिडल ईस्ट टकराव निर्णायक मोड़ पर !

अमेरिका-ईरान आखिर बातचीत को तैयार, वेंस पहुंच रहे पाकिस्तान

नई दिल्ली/एजेंसी: मिडल ईस्ट टकराव अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान में बड़ा कूटनीतिक प्रयास शुरू हो गया है। जेडी वेंस एक बड़े अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान रवाना हो रहे हैं, जहां ईरान के साथ शांति वार्ता की जाएगी। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच चल रहा युद्ध अब आठवें हफ्ते में पहुंच चुका है और दो हफ्ते का सीजफायर खत्म होने के करीब है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचने वाला है, जिसमें स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर भी शामिल होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बुधवार को युद्धविराम समाप्त हो रहा है और वह इसे बढ़ाने के इच्छुक नहीं हैं।

ईरान ने क्षेत्रीय मध्यस्थों को बताया है कि वह अमेरिका के साथ शांति वार्ता के दूसरे दौर के लिए मंगलवार को पाकिस्तान में एक वार्ता टीम भेजेगा। तेहरान ने सार्वजनिक रूप से इस बात की पुष्टि नहीं की थी कि वह इस्लामाबाद में होने वाली बैठकों में अपने प्रतिनिधि भेजेगा। वार्ता में उसकी भागीदारी को लेकर भ्रम तब और बढ़ गया, जब ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि इस्माइल बाकाई ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तानी राजधानी में वार्ता के दूसरे दौर की कोई योजना नहीं है। इससे पहले ईरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव में बातचीत नहीं करेगा। उसका कहना है कि जब तक अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक वार्ता का कोई मतलब नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के अंदर भी इस मुद्दे पर दबाव है, खासकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की ओर से सख्त रुख अपनाने की मांग की जा रही है। इसी बीच पाकिस्तान, मिस्त्र और तुर्की जैसे देश मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

नव नियुक्त बाल विकास परियोजना पदाधिकारी

एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं का

नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह

नारी शक्ति को अवसर अपार...

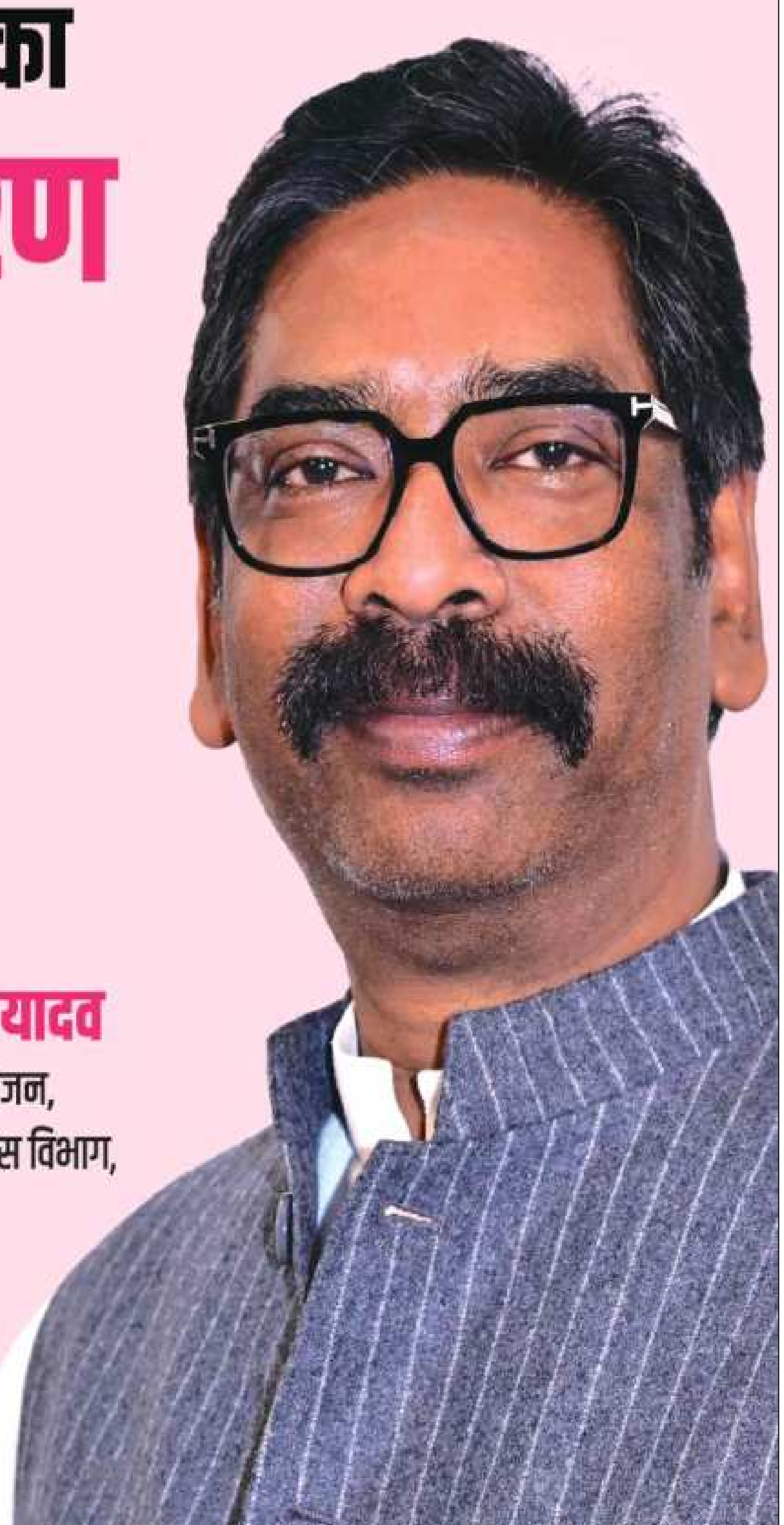

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधाकृष्ण किशोर

माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग, झारखण्ड

दिनांक: 21 अप्रैल, 2026 मंगलवार | समय: अपराह्न 1:00 बजे

स्थान: एनेक्सी भवन, द्वितीय तल, प्रोजेक्ट भवन, झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, रांची

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार PR-377975 (Women, Child Development & Social Security) 26-27

न्यूज IN ब्रीफ

राज्य में आज और कल लू और बारिश दोनों, कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार

रांची : झारखंड में गर्मी ने अब प्रचंड रूप धारण कर लिया है। रांची का अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री दर्ज किया गया, यह सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक है। राज्य के 6 अन्य जिलों में भी पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। मेदिनीनगर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया है, वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 42.6 और बोकारो में 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जहां एक ओर अधिकतर जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है, वहीं कुछ इलाकों में हल्की बारिश से राहत मिली है। सिमडेगा में सोमवार को 8 मिमी बारिश दर्ज की गई। खूंटी में भी छिटपुट बारिश हुई। बारिश के कारण यहां के लोगों को थोड़ी राहत मिली।मौसम विभाग के अनुसार 21 और 22 अप्रैल को राजधानी रांची बोकारो, धनबाद सहित कई इलाकों में लू चलेगी। इसे देखते हुए इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। 23-24 को तापमान में दो से तीन डिग्री की और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 25 अप्रैल से राज्य के कुछ हिस्सों में मौसम करवट ले सकता है।लोहरदगा का तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस, लातेहार में 34.3 डिग्री सेल्सियस, खूंटी में 37.2 डिग्री सेल्सियस और पाकुड़ में 33.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं हजारीबाग में 39.7 डिग्री सेल्सियस, सिमडेगा में 36.0 डिग्री सेल्सियस, देवघर में 41.1 डिग्री सेल्सियस और कोडरमा में 40.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा गोड्डा में 37.1 डिग्री सेल्सियस, गुमला में 39.0 डिग्री सेल्सियस और पश्चिमी सिंहभूम में 41.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

देशी दारू का अवैध निर्माण

मुरी : सिल्ली के सुदूर ग्रमीण क्षेत्र गोडाड़ीह के खेरबेडा पुलिया के नीचे दारू बनाया जाता है। पूछने पर बताया कि थोड़ा बहुत बनाते हैं। देखा जाए तो सच्चाई है कि वन और कृषि के अलावा जीविका का कोई साधन नहीं है। यहाँ के ग्रमीण इस क्षेत्र में सालों से डाडी के पानी पीने को मजबूर है। साइड में दारू चुआ कर कुछ पैसा कमाते हैं। हालांकि सरकारी रुप से प्रतिबंधित है।

जोरी में महायज्ञ सह शिव प्राण प्रतिष्ठा को लेकर किया गया ध्वजारोहण

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के वशिष्ठ नगर जोरी काली मंदिर में स्थित 21 मई से प्रारंभ श्रीश्री 1008 रुद्रचंडी महायज्ञ सह शिव प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सोमवार को ध्वजारोहण किया गया। इससे पूर्व श्रद्धालुओं के द्वारा ध्वज के साथ निकाली गई शोभायात्रा यज्ञ स्थल से प्रारंभ होकर पूरे बाजार क्षेत्र में भ्रमण करते हुए बाणसिंह पहुंची जहां से पुनः वापस लौट बाजार क्षेत्र भ्रमण करते हुए यज्ञ स्थल पहुंचकर खत्म हुई। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु लगातार जय दुर्गे', जय शिव और 'जय श्री राम' जी का जयकारा कर रहे थे जिससे पूरा क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं की स्वागत में लोग फूलों की वर्षा कर रहे थे। यज्ञ अनुष्ठान के यज्ञधीश श्री श्याम शरण जी महाराज ने भी भक्तों व श्रद्धालुओं को यज्ञ ध्वज देकर साथ में क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान चतरा विधायक जनार्दन पासवान जिप अध्यक्ष ममता कुमारी समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे नगर क्षेत्र के भ्रमण के अंत में वापस लौटने पर ध्वज को यज्ञ स्थल पर खड़ा किया गया।यज्ञ आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि यज्ञ 21 मई के कलशयात्रा एवं मंडप प्रवेश से प्रारंभ होकर 30 मई तक चलेगा। मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश यादव,उपप्रमुख राहुल गुप्ता, रवि बजरंगी, कृष्णा पासवान, मुखिया रामरतन साहू, चंद्रिका यादव, रवींद्र यादव, जितेंद्र सिंह समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

प्रदेश भाजपा ने साप्ताहिक ड्यूटी रोस्टर जारी किया

रांची : झारखंड भाजपा के द्वारा दिन के अनुसार प्रदेश कार्यालय में बैठने वाले पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निदेर्शानुसार प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद द्वारा जारी यह सूची 20 अप्रैल से प्रभावी है। जारी सूची के अनुसार सोमवार को उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, महामंत्री गणेश मिश्रा, मंत्री दिलीप वर्मा, शैलेन्द्र सिंह एवं कृष्णा महतो, मंगलवार को उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुण्डा, महामंत्री गणेश मिश्रा, मंत्री दिलीप वर्मा, शैलेन्द्र सिंह एवं कृष्णा महतो, बुधवार को आभा महतो एवं मुनेश्वर साहू, महामंत्री अमर कुमार बाउरी, मंत्री अमित सिंह एवं मनीर उरॉव, गुरूवार को उपाध्यक्ष बालमुकुन्द सहाय, महामंत्री अमर कुमार बाउरी, मंत्री सरोज सिंह, सुनिता सिंह एवं अमरदीप यादव, शुक्रवार को उपाध्यक्ष भानू प्रताप शाही, महामंत्री मनोज सिंह, मंत्री सरोज सिंह, सुनिता सिंह एवं अमरदीप यादव, शनिवार को उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप वर्मा, महामंत्री मनोज सिंह, मंत्री अमित सिंह, मनीर उरॉव एवं शालिनी बैसखियार, रविवार को उपाध्यक्ष सुनील सोरेन एवं गीता कोड़ा, महामंत्री गणेश मिश्रा, मंत्री अमित सिंह एवं शालिनी बैसखियार को जिम्मेवारी सौंपी गई है।

तालडांगरा में हेमंत सोरेन ने भाजपा पर बोला हमला, कहा

बंगाल का विकास बंगाल से ही होगा, गुजरात से नहीं

टीएमसी प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को किया संबोधित

झारग्राम में सभा की अनुमति नहीं मिलने पर जताई आपत्ति

संवाददाता

रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बंगाल का विकास बंगाल से ही होगा, गुजरात से नहीं। मंगलवार को बांकुड़ा जिले के तालडांगरा विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी फाल्गुनी सिंहाबाबू के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता अपनी संस्कृति, अस्मिता और सामाजिक पहचान की रक्षा के लिए मतदान करेगी।

हेमंत सोरेन ने कहा कि बंगाल के लोग भाजपा की राजनीति और उसके तौर-तरीकों को अच्छी तरह समझ चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिला सम्मान की बात तो करती है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोपित लोग भी उसी पार्टी में शामिल रहते हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में बंगाल की जनता एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस को समर्थन देगी।

मुख्यमंत्री के साथ गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी बंगाल में चुनाव प्रचार अभियान में सक्रिय हैं। दोनों नेता झारखंड से सटे इलाकों में तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में माहौल

बनाने में जुटे हैं।

झारग्राम में सभा नहीं करने देने पर उठाए सवालः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारग्राम में प्रस्तावित जनसभा की अनुमति नहीं मिलने पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को उन्हें झारग्राम में सभा की अनुमति नहीं दी गई, जिससे वे वहां नहीं पहुंच सके। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले असम में भी इसी तरह की स्थिति पैदा की गई थी और अब बंगाल में भी वही दोहराया गया। झारग्राम नहीं जा पाने के बावजूद उन्हें बांकुड़ा जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों में लोगों से मिलने का अवसर मिला।

टीएमसी ने केंद्र सरकार पर लगाया आरोपः उधर टीएमसी ने इस पूरे मामले को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की झारग्राम में मौजूदगी का हवाला देकर सुरक्षा कारणों से हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन के हेलीकॉप्टर को उड़ाने की अनुमति नहीं दी गई। टीएमसी का आरोप है कि दोनों नेताओं को उनकी निर्धारित जनसभा में पहुंचने से जानबूझकर रोका गया।

हंटरगंज झगरतरी -उरैली गोलाई नहर में घोटाले की आंच

जीरो क्वालिटी का हुआ है काम, होगी जांचः विधायक प्रतिनिधि

चंद्रेश शर्मा

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत झगरतरी से उरैली तक गोलाई नहर के मरम्मत कार्य में बड़े पैमाने पर घोटाले की आशंका गंभीर रूप से उभरकर सामने आई है। नहर के जीर्णोद्धार एवं पक्कीकरण के नाम पर सरकारी राशि की खुली लूट हो रही है। कागजों पर निर्माण कार्य पूर्ण दिखाया जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि हाल ही में बने ढांचे भी जगह-जगह से टूटते और बिखरते नजर आ रहे हैं। विधायक प्रतिनिधि रौशन कुमार सिंह ने बताया कि संवेदक मनोज सिंह द्वारा कार्य में घोर अनियमितता बरती जा रही है। प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि निर्माण कार्य गुणवत्ता को दरकिनार कर केवल सरकारी धन के दुरुपयोग के

उद्देश्य से किया जा रहा है। ग्रामीणों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जब विधायक प्रतिनिधि स्वयं स्थल निरीक्षण के लिए पहुंचे, तो वहां न तो विभागीय कनीय अभियंता मौजूद थे और न ही किसी प्रकार का नियमित निरीक्षण होता दिखा। यह स्थिति विभाग और संवेदक के बीच संभावित मिलीभगत की ओर इशारा करती है, जिसके कारण घटिया निर्माण कार्य को बढ़ावा मिल रहा है। इस लापरवाही और भ्रष्टाचार से क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। किसानों का कहना है कि वर्षों बाद नहर से सिंचाई की जो उम्मीद जगी थी, वह भी अब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है।रौशन कुमार सिंह ने कड़े शब्दों में कहा कि इस प्रकार का भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। झगरतरी से उरैली तक चल रहे इस निर्माण कार्य में जिस स्तर की अनियमितता और लापरवाही सामने आई है, वह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है।उन्होंने मांग की है कि संबंधित विभाग अविलंब उच्चस्तरीय जांच कराए, दोषी संवेदक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए तथा निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप पुनः गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए। यदि एक सप्ताह के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो वे इस मुद्दे को उच्च स्तर पर उठाते हुए व्यापक जन आंदोलन और उच्चस्तरीय जांच की मांग करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

तेज रफ्तार बाइक ने ली 6 वर्षीय मासूम की जान, होशिर बस्ती में पसरा मातम

चतराः पिपरवार थाना क्षेत्र के होशिर बस्ती के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 वर्षीय मासूम की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, होशिर गांव निवासी पवन कुमार महतो का पुत्र प्रांस महतो (6 वर्ष) स्कूल से छुट्टी के बाद अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बच्चा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे इलाज के लिए सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक प्रांस महतो किरण विद्या मंदिर होशिर में पहली कक्षा का छात्र था।वह रोज की तरह स्कूल से अन्य बच्चों के साथ घर लौट रहा था,तभी यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक के पिता पवन कुमार महतो हैदराबाद में मजदूरी करते हैं,जबकि घटना के समय उसकी मां किसी काम से पतरातू गई हुई थीं। परिवार में एक बेटा और एक बेटी थी। इस हादसे के बाद परिवार का इकलौता बेटा छिन गया। घटना के बाद पूरे होशिर गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। बच्चे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। इधर पिपरवार पुलिस मामले की जानकारी लेते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वही बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी ने इस दुःखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने प्रखंड कार्यालय के अधिकारियों से बात कर पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

फुसरो नगर परिषद वार्ड पार्षद रश्मि सिंह हुई भाजपा में शामिल

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कॉंग्रेस नेत्री सह फुसरो नगर परिषद की वार्ड पार्षद रश्मि सिंह ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने सभी नवागंतुकों को पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया।

समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने मिस कॉल के माध्यम से भाजपा की ऑनलाइन सदस्यता भी ग्रहण की। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह एवं अशोक बड़ाईक, बोकारो जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राज, अर्चना सिंह सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की नीतियों और केंद्र सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर लोग तेजी से पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पारदर्शी, विकासोन्मुख और जनकल्याणकारी शासन स्थापित हुआ है, जिससे आम जनता का विश्वास भाजपा के प्रति लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने नारी शक्ति के सम्मान और अधिकार पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा हमेशा से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। आज महिलाएं केवल भागीदार नहीं, बल्कि देश के विकास की अग्रणी शक्ति बनकर उभर रही हैं।

लावालौंग के घूरातरी जंगल में सनसनी

महुआ के पेड़ से लटककर युवक ने दी जान

संवाददाता

चतरा : जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद और विचलित करने वाली खबर सामने आ रही है। जहाँ एक युवक ने घूरातरी के घने जंगलों में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम और सनसनी का माहौल है। आखिर क्या वजह थी कि एक हँसते-खेलते युवक ने मौत का रास्ता चुना? आइए जानते हैं क्या है यह पूरा मामला। घटना लावालौंग थाना क्षेत्र के पारामातु स्थित घूरातरी जंगल की है। सोमवार की सुबह जब कुछ स्थानीय ग्रामीण जंगल की ओर गए, तो उनकी नजर महुआ के एक पेड़ से लटकते हुए शव पर पड़ी। शव को देखते ही ग्रामीणों के बीच शोर मच गया और देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान लावालौंग निवासी उमेश भारती के रूप में हुई है, जो प्रकाश भारती के पुत्र थे। जंगल में युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की खबर आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना लावालौंग थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चंदन कुमार अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और अपनी अभिरक्षा में लिया। शुरूआती जांच और पंचनामा तैयार करने के बाद, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चतरा के सदर अस्पताल भेज दिया है। इस पूरे मामले पर लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि पुलिस को जैसे ही घूरातरी जंगल में एक युवक के फांसी के फंदे से लटकने की सूचना मिली, टीम बिना देर किए मौके पर पहुँची। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस हर पहलू से मामले की तफ्तीश कर रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों द्वारा दिए जाने वाले आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उमेश भारती ने इतना आत्मघाती कदम क्यों उठाया, यह सवाल अब भी अनसुलझा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे भी इस घटना से स्तब्ध हैं। क्या यह मामला किसी मानसिक तनाव का था या इसके पीछे कोई अन्य पारिवारिक कारण, पुलिस अब मृतक के करीबियों और दोस्तों से पूछताछ कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही समय और कारणों का आधिकारिक खुलासा हो पाएगा। युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

हत्या या सड़क हादसा? रोजगार सेवक की मौत पर गहराया रहस्य

भाई ने लगाया हत्या का आरोप, तो थाना प्रभारी ने पिकअप वैन से टक्कर की बात कही

संवाददाता

चतरा : शहर के बीचों-बीच रोजगार सेवक राजेश कुमार शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला अब एक नया मोड़ ले चुका है। जहाँ एक तरफ परिजन इसे सोची-समझी साजिश और हत्या करार दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पुलिस की जांच एक अलग ही दिशा में इशारा कर रही है। क्या राजेश कुमार शर्मा किसी साजिश का शिकार हुए या फिर आधी रात की उस खामोशी में किसी पिकअप वैन ने उनकी जिंदगी छीन ली? आइए, विस्तार से समझते हैं इस उलझी हुई गुत्थी को। हंटरगंज

प्रखंड के डाहा पंचायत में कार्यरत रोजगार सेवक राजेश कुमार शर्मा, जिन्हें लोग प्यार से 'बउला' कहते थे, सोमवार शाम एक शादी समारोह में शामिल होने निकले थे। लेकिन किसे पता था कि यह उनकी आखिरी शाम होगी। देर रात शहर के पुराना पेट्रोल पंप स्थित फेमस मेडिकल के पास उनका शव मिला। राजेश के सिर के पीछे गहरे जख्म के निशान थे। परिजनों ने जब उन्हें सड़क किनारे लहूलुहान पाया, तो उम्मीद की आखिरी किरण के साथ अस्पताल ले गए, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था– डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना ने मृतक के परिवार को झकझोर कर रख दिया है। मृतक के भाई रंजीत शर्मा ने कैमरे के सामने आकर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। रंजीत का कहना है कि यह कोई साधारण दुर्घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या की साजिश है। उनके मुताबिक, राजेश का मोबाइल फोन मौके से गायब होना और उसका स्विच ऑफ मिलना इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि वारदात के बाद साक्ष्य मिटाने की कोशिश की गई है। परिजनों का सवाल है कि अगर यह हादसा था, तो मोबाइल कहाँ गया?परिजनों के दावों के उलट, चतरा सदर थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने जांच के बाद एक अलग ही तथ्य पेश किया है। थाना प्रभारी का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और प्रारंभिक जांच के आधार पर यह हत्या नहीं, बल्कि एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना प्रतीत हो रही है। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में एक अनियंत्रित पिकअप वैन राजेश को रौंदते हुए निकलती दिखाई दे रही है। पुलिस का मानना है कि इसी टक्कर की वजह से सिर में गंभीर चोट आई, जो मौत का कारण बनी। हालांकि, मोबाइल के गायब होने पर पुलिस अभी भी बारीकी से जांच कर रही है।राजद नेता नंदकिशोर ठाकुर और स्थानीय विधायक जनार्दन पासवान ने इस घटना पर दुख जताते हुए प्रशासन से निष्पक्षता की मांग की है। परिजनों ने प्रशासन के सामने एक करोड़ रुपये मुआवजा और आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी है। शहर के लोग और रोजगार सेवक संघ अब इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की अंतिम तफ्तीश क्या सच सामने लाती है। एक तरफ पुलिस का 'हादसा' वाला दावा है और दूसरी तरफ परिजनों की 'हत्या' की आशंका। सच क्या है, यह तो विस्तृत जांच के बाद ही साफ होगा। लेकिन इस घटना ने चतरा शहर की रात्रि सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

सेवानिवृत्त जज अमिताभ गुप्ता बने झारखंड के लोकायुक्त

राज्यपाल ने दिलाई शपथ , मुख्यमंत्री रहे मौजूद

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के लोक भवन में मंगलवार को आयोजित समारोह में राजपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमिताभ कुमार गुप्ता को लोकायुक्त, झारखंड के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। न्यायाधीश डीएन उपाध्याय के निधन के बाद से यह पद खाली था। शपथ ग्रहण के पूर्व राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार द्वारा अमिताभ कुमार गुप्ता की लोकायुक्त के रूप में नियुक्ति संबंधी वारंट पढ़ा। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने नवनियुक्त लोकायुक्त को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री भी रहे मौजूद : इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी मौजूद रहे और इस महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया के साक्षी बने। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने लोकायुक्त अमिताभ कुमार गुप्ता को अपनी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति : इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी, मेयर रौशनी खलखो, गृह सचिव वंदना दादेल, डीजीपी तदासा मिश्रा, रांची डीसी मंजुनाथ भाजयंत्री सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लोकायुक्त का पद पिछले कुछ वर्षो से खाली था : उच्च न्यायालय ने इस महीने की शुरूआत में झारखंड सरकार को लोकायुक्त और अन्य संवैधानिक अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया था। राज्यपाल ने 16 अप्रैल को गुप्ता को झारखंड का लोकायुक्त नियुक्त किया था।

न्यायिक सेवा का लंबा अनुभव: अमिताभ कुमार गुप्ता का जन्म 31 मई 1959 को हुआ और दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय से एलएलबी की उपाधि ली और उसी संस्थान से उन्होंने स्नातकोत्तर की पढ़ाई भी की। उन्होंने 11 जून 1997 को बिहार उच्च न्यायिक सेवा में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला। उन्हें 2013 में झारखंड उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और वह 30 मई 2021 को सेवानिवृत्त हुए।

बिजली संकट पर विधायक रागिनी सिंह का अल्टीमेटम

धनबाद : भीषण गर्मी के बीच झरिया क्षेत्र में गहराते बिजली संकट को लेकर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है. जनसमस्याओं को लेकर गंभीर विधायक ने मंगलवार को बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की और क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश दिए. बैठक में झरिया के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर समेत धनबाद के मेयर संजीव सिंह भी मौजूद रहे और बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया. इस दौरान विधायक रागिनी सिंह ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी में बिजली की कटौती आम जनता के लिए किसी सजा से कम नहीं है ,जिसे अब और अधिक सहन नहीं किया जाएगा. विधायक रागिनी सिंह ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य के बिजली विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर, विभागीय जीएम और झारखंड सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के सचिव से दूरभाष पर वार्ता की. जिसमें सब-स्टेशन, हाई-टेंशन पावर सप्लाई, आरएमयू स्विच और ट्रांसफार्मर से जुड़ी तकनीकी बाधाओं पर विस्तार से चर्चा की और तत्काल इसके समाधान के लिए जोर दिया ।

भगवान परशुराम ज्ञान, शक्ति और तपस्या के अद्वितीय प्रतीक हैं : ब्राह्मण महासभा

मेट्रो रेज

रांची : चुटिया स्थित रोशन मिश्रा के आवासीय कार्यालय में ब्राह्मण महासभा द्वारा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर जनकल्याण की कामना से जड़ी-बूटी युक्त हवन किया गया तथा प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्राह्मण महासभा के संयोजक मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम ज्ञान, शक्ति और तपस्या के अद्वितीय प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जब पृथ्वी पर अत्याचारियों का अत्याचार ऋषि-मुनियों पर बढ़ गया था, तब भगवान परशुराम ने भगवान शिव की कठोर तपस्या कर दिव्य अस्त्र प्राप्त किए और 21 बार पृथ्वी को अत्याचारियों से मुक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान परशुराम सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं और आज भी तपस्या में लीन होकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं।

महिला शाखा की अध्यक्ष ललिता ओझा ने कहा कि अक्षय तृतीया के दिन जन्म लेने वाले भगवान परशुराम का महत्व विशेष है। अक्षय का अर्थ कभी नष्ट न होने वाला होता है, और भगवान परशुराम का आशीर्वाद आज भी समाज को निरंतर प्राप्त हो रहा है।

वरिष्ठ समाजसेवी मृत्युंजय झा ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महान योद्धाओं को भी शिक्षा प्रदान की थी, जो उनकी महानता और ज्ञान की पराकाष्ठा को दर्शाता है।

इस अवसर पर अंजनीकांत झा, रोशन मिश्रा, पवन कुमार पांडेय, पंडित बैजनाथ तिवारी, अमित पांडेय, दिलीप पांडेय, रीना देवी, रेनू पांडेय, प्रीति दुबे सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सरिता पांडेय ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन रोशन मिश्रा ने किया।

कार्यक्रम में सुभाष कुमार झा, जय नाथ गोस्वामी, उत्तम कुमार पांडेय, पवन पांडेय, ऋषभ मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गर्मी में राहगीरों को राहत देना हमारा कर्तव्य : रोहित शारदा

श्री राम भरत मिलाप समिति ने राहगीरों के लिए की अमृतधारा प्याओ की स्थापना

मेट्रो रेज

रांची: श्री राम भरत मिलाप समिति डोरंडा बाजार स्थित कार्यालय के प्रांगण में राहगीरों के लिए अमृतधारा प्याओ की स्थापना की जो लगातार दो महीना तक रहेगा जिसमें नियमित पानी की व्यवस्था समिति के द्वारा की जाएगी। समिति के द्वारा अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर गणेश लक्ष्मी जी का पूजन किया गया जिसमें यजमान स्वरूप समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा सपत्नी बिना शारदा ने पूजन किया । तत्पश्चात प्याऊ का विधिवद उद्घाटन किया गया ।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा ने कहा कि राहगीरों को इस तपती गर्मी में राहत देना हमलोगों का कर्तव्य है पानी पिलाने से बड़ा कोई पुण्य का कार्य नहीं है और ऐसी पनशाला हम क्षेत्र में लगभग 11 जगह और राहगीरों को गर्मी से राहत देने हेतु लगाएंगे। समिति के कार्यक्रम में मंच का संचालन महामंत्री नम्रता सोनी एवं धन्यवाद ज्ञापन महेश विजय ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के संरक्षक - बीके विजय, सरदार अशोक सिंह, पुरुषोत्तम दास ,जयनारायण विजय ,अध्यक्ष -रोहित शारदा ,महामंत्री - नम्रता सोनी, महेश विजय, कमल किशोर झा, राजू सिंह,नवनीत कुमार सिन्हा, जितेंद्र बरनवाल, प्रिया सिन्हा, मीनू डांगी, बालवीर जैन, अनिल विजय, सुनीता सिंह, अनूप बर्मन, रिंकू तमांग, मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष- ऋषभ रामपुरिया, सचिव -राघव शारदा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ माधव नगर के सरसंचालक- लखन विजय ,कार्यवाह शैलेश सिंह, व्यवस्था प्रमुख सुनील विजय,राज कुमार, जागृति महिला शाखा की अध्यक्ष प्रमिला श्रॉफ ,अनीता अग्रवाल, रूपेश शारदा, संजू विजय, प्रदीप वर्मा,टीपी सिंह, राजेंद्र सिंह राजू,, रवि कश्यप ,आशीष हीरो, पुरोहित हनुमान मंदिर झंडा चौक सहित नागरिकगण एवं अन्य संस्था के सम्मानित पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

मायबियस ग्रुप ने डिजाइन और क्रिएटिविटी में जीते कई राष्ट्रीय पुरस्कार

मेट्रो रेज

रांची : मायबियस ग्रुप ने डिजाइन, क्रिएटिविटी, टेक्नोलॉजी और स्टोरीटेलिंग में उत्कृष्टता को सम्मानित करने वाले एक राष्ट्रीय मंच पर 1 गोल्ड और 3 ब्रॉन्ज पुरस्कार हासिल किए हैं–यह वही दृष्टिकोण है जिसे समूह पिछले दो दशकों से लगातार अपनाता आ रहा है ।विशेष रूप से, एजेंसी पूर्वी भारत से एकमात्र प्रतिभागी के रूप में उभरी, जिसे प्रमुख मल्टीनेशनल नेटवर्क एजेंसियों और शीर्ष ब्रांड्स के साथ सम्मानित किया गया ।इन पुरस्कारों ने डिजाइन, क्राफ्ट और इनोवेशन जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उत्कृष्ट रचनात्मकता को सराहा। देशभर से ब्रांड्स और एजेंसियों ने अपनी प्रविष्टियाँ भेजीं, जो छह प्रमुख श्रेणियों–प्रोडक्ट डिजाइन, डिजाइन एक्सीलेंस, ब्रांड एवं कम्युनिकेशन, एक्सपीरियंस एवं इंटरैक्शन एक्सीलेंस, टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन, और हॉल ऑफ फेम–में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। प्रत्येक श्रेणी में कई उप-श्रेणियाँ शामिल थीं। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, मायबियस ग्रुप के संस्थापक एवं सीईओ, अखिल बी पॉल ने कहा, ये पुरस्कार पिछले दो दशकों से हमारे निरंतर कार्य और टेक्नोलॉजी को कम्युनिकेशन के साथ एकीकृत करने के हमारे प्रयासों को दर्शाते हैं। बड़े नेटवर्क एजेंसियों और राष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ पहचाना जाना उत्साहजनक है। यह मान्यता हमें सार्थक और स्केलेबल डिजाइन-आधारित समाधानों के निर्माण के प्रति और अधिक प्रतिबद्ध बनाती है। प्रतिष्ठित इकोनॉमिक टाइम्स अवॉर्ड फॉर डिजाइन एंड क्रिएटिविटी में मायबियस ग्रुप को कई श्रेणियों में सम्मानित किया गया। एजेंसी ने 75 ब्रांड्स बुक के लिए मोस्ट क्रिएटिव रिप्रेजेंटेशनल इलस्ट्रेशन श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड जीता।

जेएसएससी अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन कर रहा: एस अली

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है हाल ही में आयोजित माध्यमिक आचार्य नियुक्ति परीक्षा में हुई भारी अनियमितताएं पायी जा रही है जिसके खिलाफ अभ्यर्थियों ने आज आयोग मुख्यालय के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने नारों के साथ अपना आक्रोश व्यक्त किया।

माध्यमिक आचार्य आंसर-की में सुधार करो

जेएसएससी मनमानी बंद करों

क्षेत्रीय भाषा और उर्दू विषय के आंसर-की में सुधार करना होगा

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे झारखंड छात्र संघ के केन्द्रीय अध्यक्ष एस अली ने कहा कि जेएसएससी द्वारा जारी प्रोविजनल आंसर-की जिसमें उर्दू विषय में लगभग 32 से ज्यादा प्रश्न एवं उत्तर गलत थे, वही पांच परगनिया, नागपूरी एवं अन्य विषयों 06-07 प्रश्न एवं उत्तर गलत थे, जेएसएससी द्वारा मांगे गए अपत्ति पर सुधार के लिए साक्ष्य के साथ आनलाईन आवेदन अभ्यर्थियों के द्वारा दिया गया लेकिन बिना सुधार किए फाइनल आंसर-की जारी कर दिया गया, वही पांच हजार से अधिक परीक्षार्थियों की उत्तर कुंजी जारी ही नहीं किया गया है।

जिन अभ्यर्थियों की उत्तर कुंजी जारी की गई है, उनमें भी भारी त्रुटियां पाई गई, प्रश्न पत्रों में गलत विकल्प दिए गए और कई प्रश्न ही गलत थे।

प्रदर्शन के उपरांत प्रभावित अभ्यर्थी से जेएसएससी सचिव के नाम ऑफलाइन आवेदन देकर सभी प्रकार के त्रुटियों के निराकरण के लिए एक्सपर्ट टीम का गठन कर पुन फाइनल आंसर-की जारी करने की मांग किया गया।

साथ ही मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप का मांग की गयी।

नकली शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

रांची : नकली शराब के साथ शराब माफिया को उत्पाद विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार शराब माफिया का नाम नरेश सिंधिया है. यह गिरफ्तारी नामकुम थाना इलाके के जोरार से हुई है।

उत्पाद विभाग को जानकारी मिली थी कि शराब माफिया नरेश सिंधिया जोरार इलाके में छिपा हुआ है. इसके बाद उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर शराब माफिया को गिरफ्तार किया है. फिलहाल शराब माफिया से उत्पाद विभाग की टीम पूछताछ कर रही है.

इस शराब माफिया के ऊपर नकली शराब बनाकर दूसरे राज्य में खपाने का आरोप है. फिलहाल उत्पाद विभाग की टीम शराब माफिया नरेश सिंधिया से पूछताछ कर रही है।

जेपीएससी को लेकर देवेंद्र नाथ महतो ने उठाए गंभीर सवाल

सीएमओ झारखंड व जेपीएससी को टैग कर जांच की मांग

मेट्रो रेज

रांची: राज्य में झारखंड लोक सेवा आयोग लगातार विवादों में घिरा रहा है। पूर्व में आयोजित कई सिविल सेवा परीक्षाएं भी जांच के दायरे में आ चुकी हैं। इसी क्रम में 19 अप्रैल को आयोजित हालिया सिविल सेवा परीक्षा में भी कई अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से सीएमओ झारखंड एवं जेपीएससी को टैग करते हुए परीक्षा से संबंधित कई गंभीर सवाल उठाए हैं। उनके द्वारा उठाए गए प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं–

अटेंडेंस शीट में त्रुटि : उपस्थिति पत्रक में रोल नंबर अंकित करने हेतु निर्धारित बॉक्स की संख्या एक कम थी, जिससे अभ्यर्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

बायोमेट्रिक प्रक्रिया में गड़बड़ी : अभ्यर्थियों के आइरिस एवं अंगूठा युक्त अटेंडेंस स्टिकर को अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका पर चिपकाया गया, जबकि नियमानुसार इसे आयोग की प्रति में संलग्न किया जाना चाहिए था।

प्रश्न पत्र में त्रुटियां : कई प्रश्नों में टाइपिंग एवं स्पेलिंग संबंधी गलतियां पाई गईं, जिससे प्रश्नों की स्पष्टता प्रभावित हुई और अभ्यर्थियों में भ्रम की स्थिति बनी।

उत्तर कुंजी में अनियमितता : परीक्षा समाप्ति के 24 घंटे पश्चात जारी की गई उत्तर कुंजी में त्रुटियां पाई गईं, जिसे लगभग 8 घंटे के भीतर ही हटा लिया गया। इससे अभ्यर्थियों के बीच असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई।

बताते चलें कि उक्त परीक्षा बीते रविवार को राज्य के सभी जिलों में कुल 564 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई थी। परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कुल 2,17,104 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे। प्रथम पाली में 1,10,973 एवं द्वितीय पाली में 1,10,875 अभ्यर्थी उपस्थित हुए।

उक्त सभी बिंदुओं को लेकर देवेंद्र नाथ महतो ने निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है, ताकि अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

खेलगांव में ओरिएंट क्राफ्ट के गेट के बाहर महिला कर्मियों का प्रदर्शन

संवाददाता

दो माह से वेतन नहीं मिलने से हैं नाराज प्रबंधन ने सोमवार को सैलरी देने का किया वादा

रांची: खेलगांव स्थित ओरिएंट क्राफ्ट फैशन इंडस्ट्रीज लिमिटेड में पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिलने से नाराज महिला कर्मचारियों का गुस्सा मंगलवार को फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिला कर्मियों ने काम करने से इनकार करते हुए प्लांट गेट के सामने जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही खेलगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंचे और हालात को संभालने में जुट गई। खेलगांव थाना प्रभारी अभिषेक राय ने बताया कि प्लांट गेट पर महिलाओं के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और ट्रैफिक पर किसी तरह का असर नहीं पड़ा है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने प्रदर्शन कर रही महिला कर्मियों और कंपनी प्रबंधन दोनों पक्षों से बातचीत की है। कंपनी प्रबंधन की ओर से आश्वासन दिया गया है कि अगले सोमवार तक सभी कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, इस फैक्ट्री में कुल 2400 कर्मचारी हैं, जिनमें से 85 प्रतिशत महिलाएं हैं। जबकि करीब 40 प्रतिशत महिला कर्मी वेतन भुगतान से पहले काम शुरू करने को तैयार नहीं हैं। बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास की पहल पर रांची के खेलगांव में ओरिएंट क्राफ्ट को स्थापित किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिला। कोरोना काल के दौरान ऑर्डर नहीं मिलने से कंपनी के उत्पादन पर असर पड़ा था। पिछले दिनों अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने के कारण निर्यात में भारी गिरावट से भी उत्पादन पर असर पड़ा। इस प्लांट में अमेरिका के लिए द क्रू, पोलो और डिक्स के रेडीमेड गारमेंट भी तैयार किए

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–तुलसी लोहरा, उम्र–28 वर्ष, ऊँचाई–5 फीट 1 ईंच, रंग–सॉवला, पहनावा–काला रंग का टी शर्ट एवं काला रंग का फुल पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति तुलसी लोहरा, उम्र–28 वर्ष, पे0–पारणा लोहरा, सा0–रॉंगामाटी, पो0–पोगड़ा, थाना–सिल्ली, जिला–रॉंची जो दिनांक–04.04.2026 को अपने घर से मेला देखने को कहकर निकले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में सिल्ली थाना सन्हा सं0–11/2026, दिनांक–08.04.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, रॉंची। –9431770066

थाना प्रभारी, सिल्ली, रॉंची। –9431706153

वरीय पुलिस अधीक्षक, रॉंची

PR 377922 (Police)26-27*D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

मां-बाप की कद्र कानूनी बाध्यता

वैसे तो यह किसी भी सभ्य समाज के लिये शर्मनाक है कि जन्म देकर पालन-पोषण करने वाले मां-बाप की जीवन की सांझ में बेकद्री की जाए। फिर गुजारे भत्ते के लिये कानून-प्रशासन से मांग करनी पड़े। लेकिन यह मौजूदा समय की हकीकत है कि ऐसे किस्से गाहे-बगाहे सुनने को मिलते हैं। सही मायनों में बुढ़ापा अपने आप में बड़ी चुनौती है, जब शरीर की क्षमताओं का ह्रास होने लगता है और आय के स्रोत लगभग खत्म होने लगते हैं। सेवानिवृत्ति की जमा-पूंजी बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। उन लोगों की स्थिति तो और दुखद हो जाती है जो निजी क्षेत्र या किसी प्राइवेट काम-धंधे में लगे रहते हैं। उन्हें तो पेंशन भी नहीं मिलती। वहीं धीरे-धीरे अक्षम होता शरीर उम्रदराज होने पर लगने वाली बीमारियों का घर बन जाता है। ऐसे स्थिति में अपने जब मां-बाप की देखभाल न करें तो यह एक सामाजिक अपराध ही कहा जाएगा। जाहिर है, जब खून के रिश्ते साथ न दें तो कानून ही अंतिम सहारा रह जाता है। इस दिशा में तेलंगाना विधानसभा में पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 पूरे देश के बुजुर्गों के लिये एक नई उम्मीद जगाता है। इस राज्य की विधानसभा ने बीते रविवार वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह विधेयक पारित किया। निस्संदेह, देश में पहले से एक राष्ट्रीय कानून ह्यमाता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007ह्न मौजूद है, लेकिन नये विधेयक का दायरा विस्तृत है। जो पहले कानून की कुछ विसंगतियों को दूर करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य के नये विधेयक के दायरे में जनप्रतिनिधियों और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। यह विधेयक जन प्रतिनिधियों, सरकारी व निजी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य रूप से बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना सुनिश्चित करता है।

तेलंगाना विधानसभा में पारित यह विधेयक यकीनी बनाता है कि यदि बच्चे मां-बाप की देखभाल नहीं करते तो उनके वेतन से पंद्रह फीसदी या दस हजार रुपये, जो भी कम है, शिकायत मिलने पर माता-पिता को देय राशि के रूप में काटे जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अपनी चल-अचल संपत्ति बेटे के नाम करने वाले मशहूर कारोबारी विजयपत सिंघानिया की बेदखली का एक मामला चर्चा में आया था। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान खींचा और देश में प्रभावी कानून बनाए जाने की चर्चा तेज हुई थी। यह सुखद ही है कि तेलंगाना सरकार ने सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए यह पहल की। सरकार का कथन है कि समाज में नैतिक दायित्वों को बढ़ावा देना इस विधेयक का मकसद है। यदि बच्चे अपना दायित्व नहीं निभाते तो कानून के जरिये उन्हें इसके लिये बाध्य किया जा सकेगा। इस विधेयक में प्रावधान है कि बच्चों द्वारा मां-बाप का भरण-पोषण न करने पर वे जिला कलेक्टर के सामने आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि यह कानून न केवल सरकारी कर्मचारियों पर बल्कि निजी क्षेत्र के कर्मियों, सांसदों, विधायकों, मनोनीत सदस्यों तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। निश्चित रूप से भारतीय परिवार परंपरा में सदियों से गरिमापूर्ण स्थान रखने वाले माता-पिता के सम्मान व जीवन-यापन सुनिश्चित करने की दिशा में यह विधेयक एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। इस विधेयक में जहां कलेक्टर को नामित प्राधिकारी बनाया गया है, वहीं माता-पिता को भी संपत्ति के बंटवारे की स्थिति व आय की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। ऐसे मामलों में माता-पिता तथा कर्मचारी को सुनवाई का मौका मिलेगा। कलेक्टर को साठ दिनों के भीतर शिकायत का निस्तारण करना होगा। फैसले के बाद कर्मचारी के वेतन से काटी गई राशि सीधे मां-बाप के खाते में जाएगी। उल्लेखनीय है कि केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, सौतेले माता-पिता भी शिकायत करने के हकदार होंगे। इस विधेयक में इस बात का प्रावधान भी है कि इस बाबत शिकायतों की सुनवाई के लिये वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन किया जाएगा। उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आयोग के मुख्य आयुक्त के रूप में काम करेंगे। अर्ध न्यायिक शक्तियों वाले आयोग में प्रशासन व सामाजिक क्षेत्र के अनुभव वाले दो सदस्य भी होंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह विधेयक वरिष्ठ नागरिकों के जीवन-यापन व सम्मान बहाली में सहायक होगा।

बंगाल में अराजकता

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत निर्वाचन नामावलियों के निस्तारण में लगे, सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। इन सात बंधक अधिकारियों में तीन महिलाएं भी शामिल थीं जिन्हें नौ घंटे तक बिना खाना-पानी के रोके रखा गया। स्वाभाविक रूप से इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी समेत कई उच्च अधिकारियों का कारण बताओ नोटिस भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। पिछले महीने तक साठ लाख में 47 लाख आपत्तियों का निस्तारण होने पर सुप्रीम कोर्ट ने भी संतुष्टि व्यक्त की है। बहरहाल, इसके बावजूद एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है तो उसका निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया से ही किया जा सकता है। बहरहाल, मालदा का यह घटनाक्रम कानून व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी अग्निपरीक्षा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत तथा चुनाव आयोग ने राज्य में जंगलराज होने की बात कही है। ध्यान रहे कि इससे पहले भी निर्वाचन अधिकारियों से मारपीट व घेराव की घटनाएं सामने आई हैं। जाहिर बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कुछ लोगों में असंतोष है। मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। लेकिन यह तंत्र के प्रति बढ़ते अविश्वास का भी प्रतीक है, जिसके चलते ही घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले चुनाव से पहले कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में इस माह की 23 व 29 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में मालदा का घटनाक्रम निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए चुनौती दशार्ने वाला है। बहरहाल, मालदा के कालियाचक में भीड़ द्वारा अभिव्यक्त आक्रोश और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का घटनाक्रम यह बताता है कि लोगों में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर व्यापक असंतोष है। यद्यपि कानून व्यवस्था को हाथ में लेना कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा पहले ही घटना का आकलन न कर पाना और समय रहते कार्रवाई न करना, तंत्र की विफलता को ही दर्शाता है। जिसे कानून व्यवस्था की नाकामी ही कहा जा सकता है। जब राज्य में एसआईआर काम में लगे लोगों को पहले से लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा था, तो इस कार्य में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए थी। लोगों में उपजे अविश्वास के मद्देनजर इस दिशा में सतर्क पहल जरूरी थी। इसमें दो राय नहीं कि पश्चिम बंगाल में व्यापक पैमाने पर विदेशियों की घुसपैठ की समस्या रही है। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया द्वारा मतदाताओं की पड़ताल राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण विषय है। लेकिन जटिल प्रक्रिया के चलते व जरूरी कागजों के उपलब्ध न होने से कुछ वैध मतदाताओं को अपनी वैधता की पुष्टि के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चिंताओं को भी समझने की जरूरत है।

स्त्रियों से राजनीतिक छल अब चलेगा नहीं

स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं हैं, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक गतिविधि मात्र थी। जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर...

भारत में महिला आरक्षण को लेकर एक साथ कई सवाल हैं। पहला है कि संसद में संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो पाया, या उसे पास कराने में किसी की दिलचस्पी नहीं थी? साफ है कि बीजेपी का इरादा इस मसले को उठाना, विरोधियों को उत्तेजित करना था, ताकि वे शोर मचाएं। भारतीय राजनीति विश्वसनीय नहीं है। सरकार जानती थी कि उसके साथ दो-तिहाई सदस्य नहीं हैं और आज के राजनीतिक हालात में उसे कतई आशा नहीं करनी चाहिए थी कि विरोधी राजनीति का कोई धड़ा उसके समर्थन में आता। तब फिर क्यों बिल पेश किया? फौरी तौर पर यह राजनीतिक तीर था, जो ह्यनारी-शक्तिह्न का लाभ उठाने के लिए चलाया गया था। संसद में जब बातें होती हैं, तब उन्हें गांव-गांव में सुना जाता है। विरोध में जितना शोर होगा, फायदा उतना ज्यादा होगा। उद्देश्य माहौल बनाना, नैरेटिव रचना या इसे जो भी कहें, उतना ही था। विरोधियों की दिलचस्पी भी कम से कम महिला आरक्षण में नहीं थी। परिसीमन को लेकर भी उनके तर्क विचित्र थे। इससे ज्यादा उनका इरादा भी कुछ नहीं था। बहरहाल, इसका विपरीत-प्रभाव भी होगा, जो समूची राजनीति को अपनी चपेट में लेगा।

क्या महिलाओं को समझ में नहीं आ रहा है कि उन्हें छला जा रहा है? यह दीगर सवाल है कि इस विधेयक के परास्त होने का लाभ बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव में मिलेगा या नहीं। असल बात यह है कि देश की राजनीति ने पिछले तीन दशक से ह्यनारी-शक्तिह्न को छला है। उसे बहुत ज्यादा छला नहीं जा सकेगा। स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं हैं, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक-गतिविधि मात्र थी। जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की योजना बन गई, वह बताता है कि बीजेपी इसकी तैयारी के साथ आई थी। सबसे पहले एचडी देवेगौड़ा सरकार ने 81वें संविधान संशोधन विधेयक, 1996 के रूप में 12 सितंबर, 1996 को महिला आरक्षण विधेयक, पेश किया था। विधेयक पेश तो हुआ, लेकिन राजनीतिक आम सहमति न बनने और गठबंधन सरकार के भीतर विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजना पड़ा और 11वीं लोकसभा भंग होने के साथ ही लैप्स हो गया। देश की राजनीति चाहती, तो देवेगौड़ा का बिल ही पास हो जाता।

सरकार ने इसबार जो विधेयक पेश किया था, वह संसदीय सीटों के परिसीमन पर केंद्रित था। उसके विरोधियों का कहना है कि परिसीमन देश को तोड़ देगा। वे कहते हैं कि 2023 के बिल को लागू करो। वर्ष 2023 के महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, इसे परिसीमन के बगैर लागू नहीं किया जा सकता। यह कानून विशेष रूप से जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होने की शर्त से बंधा हुआ है। परिसीमन रुकेगा तो आरक्षण भी रुकेगा। सरकार ने 2023 के बिल की अधिसूचना जारी कर दी है, ताकि वह लैप्स न हो। उसकी प्रक्रिया ठीक से चली भी तो 2034 के चुनाव के पहले आरक्षण लागू नहीं हो सकेगा। संभव है कि 2039 में लागू हो। क्या महिलाएं इतना लंबा इंतजार करेंगी? दरअसल, देश की पुरुष-संचालित राजनीति देख नहीं पा रही है कि महिलाएं धीरे-धीरे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभर कर आ रही हैं। यह ताकत अभी तक वोटर के रूप में है, पर जल्द ही नेतृत्व के लेवल पर भी दिखाई पड़ेगी।

जब 2023 का वह बिल पास हो रहा था, तब उसे लेकर जबर्दस्त सवार्नुमति थी। वह सवार्नुमति भी राजनीतिक-लाभ लेने तक की थी। उस वक्त भी सवाल था कि इसे फौरन लागू करने से रोका किसने है? कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में कहा था, जब सरकार नोटबंदी जैसा फैसला तुरत लागू करा सकती है, तब इतने महत्वपूर्ण विधेयक की याद साढ़े नौ साल बाद क्यों आई? बात तो बहुत मार्के की कही थी, पर दस साल तक कांग्रेस की सरकार रही, वह भी तो उसे लागू नहीं करा पाई। यूपीए के सहयोगी दल ही इसके लिए तैयार नहीं थे। इंडिया ब्लॉक के नेता आज कह रहे हैं कि हम उस विधेयक का समर्थन करेंगे जो 543 सीटों की वर्तमान संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तुरंत लागू कराए। उन्होंने क्या सरकार के साथ बैठकर इस विषय पर बात की? जब वे जानते हैं कि जनगणना और परिसीमन के बिना यह फिलहाल कानूनी रूप से संभव नहीं है, तो उन्हें ऐसी पेशकश करनी चाहिए, जिसके पीछे ईमानदारी हो और व्यावहारिकता भी। व्यावहारिक बात है कि सांसदों की वर्तमान संख्या को देखते हुए, किसी पार्टी का सदस्य इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। लोकसभा में मोटे तौर पर 86 प्रतिशत पुरुष हैं और देश की विधानसभाओं में करीब 90 प्रतिशत। इसी संख्या पर आरक्षण लागू हुआ, तो बड़ी संख्या में पुरुषों का पत्ता साफ हो जाएगा। कोई नहीं चाहेगा कि उसका चुनाव-क्षेत्र आरक्षण के दायरे में चला जाए। भले ही एक-तिहाई सीटें महिलाओं के कोटे में जाएंगी, पर किसका क्षेत्र छिनेगा, पता नहीं। एक-एक चुनाव क्षेत्र को तैयार करने में बरसों की मेहनत और लाखों की रकम खर्च होती है। यह सब उन्हें मंजूर होता, तो 1996 से अब तक यह सब रुका हुआ क्यों है? बहरहाल, पुरुषों की इस राजनीति को महिलाओं की बढ़ती ताकत ही ठिकाने लगाएगी। अभी तक माना जाता था कि महिलाओं की राजनीतिक आवाज नहीं होती है। वोटर के रूप में उनकी आवाज को मान्यता मिल चुकी है। कौन-सा राज्य है, जहां पार्टियां महिलाओं को लिए लुभावने कार्यक्रम लेकर नहीं आ रही हैं। ये कार्यक्रम वोटर के रूप में हैं।

दूसरी तरफ राजनीतिक कार्यकताओं के रूप में भी महिलाओं के बीच खामोश क्रांति हो रही है। इसकी शुरूआत स्थानीय निकायों, यानी पंचायतों और नगरपालिकाओं में, महिलाओं को न्यूनतम 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने से हुई है, जो 1993 के 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के तहत उन्हें प्राप्त हुआ है। इस आरक्षण को बिहार, उत्तराखंड, महाराष्ट्र सहित 20 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। जमीनी स्तर पर अब करीब साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएं जन-प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं, जो इन निकायों के कुल सदस्यों का करीब 46 प्रतिशत है। इनमें से कुछ अपने पतियों, भाइयों और बेटों के लिए आड़ का काम कर रही हैं, पर ज्यादा बड़ी संख्या उन महिलाओं की है, जो न केवल सक्रिय हैं, बल्कि अपनी कुशलता साबित कर रही हैं। इनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी जन्म ले रही हैं। ग्राम सभा की सदस्य, जिला स्तर पर जाना चाहती हैं, नगरपालिका की पार्षद विधायक और उससे ऊपर के स्तर पर। उनकी संख्या बढ़ रही है, क्योंकि एक पीढ़ी के बाद दूसरी पीढ़ी भी सामने आ रही है। स्थानीय निकायों के कुल सदस्यों में 46 प्रतिशत महिलाएं हैं, वहीं लोकसभा और विधानसभाओं में यह प्रतिशत काफी कम है। 18वीं लोकसभा में 543 में से 75 महिला सांसद (लगभग 14 प्रतिशत) हैं, जो 2024 में चुनाव लड़कर आई हैं। राज्यसभा में लगभग 39 (17 प्रतिशत) महिला सदस्य हैं। वहीं एडीआर की एक रिपोर्ट के अनुसार, 4,666 सांसदों/विधायकों में से केवल 464 यानी 10 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह असंतुलन है, जिसे अब महिलाएं ही आगे बढ़कर दूर करेंगी।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

राष्ट्रीय लक्ष्यों हेतु नागरिक संबल भी मिले

राष्ट्र के उत्थान के लिये जो बड़े बदलाव के प्रयास होते हैं, यदि वे वाकई परिवर्तन के वाहक हों , तो जनता का सकारात्मक संबल मिलना चाहिए। हमें भविष्य की चुनौतियों के मुकाबले और राष्ट्रीय एकता के लिये कुछ त्याग भी करने चाहिए।

राजग सरकार का दावा है कि उसने देश में हमेशा बदलाव की राजनीति की है। भाजपा ने 1994 में राजनीति के हर चरण पर महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था। अब मौजूदा सरकार ने संसद का एक विशेष?सत्र बुलाकर राजनीति में महिला आरक्षण लागू करने का प्रयास किया है। सरकार की मंशा थी कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिल जाए। इससे पहले जब राजग सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35-ए का 2019 में उन्मूलन किया था तो कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ।?कश्मीर से लद्दाख को अलग करके उसके पुनः परिसीमन का प्रयास किया। वैसे देश की कुरीतियों को हटाना भी अगर बदलाव कहें तो जब सरकार ने तीन तलाक को गैर-कानूनी घोषित कर दिया था तो इसे भी एक बदलाव कहा जा सकता है।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री ने कार्यकताओं से कहा कि देश में बदलाव का अभियान रुकेगा नहीं। हमारे बदलाव के एजेंडे में अभी भी एक बड़ी बात अधूरी है, एक बड़ा लक्ष्य अभी पूरा करना है, वह यह है कि अलग-अलग धर्मों, जातियों और वर्णों वाले देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाए। इस प्रायद्व?ीप जैसे बड़े देश में कभी केन्द्र और कभी राज्यों के चुनाव करते समय, शक्ति और पैसा बर्बाद करने की बजाय एक राष्ट्र और एक चुनाव की धारणा को साकार किया जाए। निस्संदेह, समान नागरिक संहिता लागू करने में धार्मिक कट्टरता या व्यावहारिक कठिनाइयां भी सामने आ रही हैं लेकिन इन्हीं पर आज विशेष चिंतन की जरूरत है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये आज इसकी जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंसा और कट्टरता हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं होनी चाहिए। सरकार का मिशन हो सेवा और लक्ष्य हो विकास। असल में लक्ष्य यह है कि देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनना है तो इसमें एक राष्ट्र एक चुनाव और समान नागरिक संहिता लागू करके कुछ तरक्की की जा सकती है। थोड़ा इन लक्ष्यों पर चिंतन करें, एक राष्ट्र एक चुनाव प्रणाली में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करवाने का प्रस्ताव है। आलोचक कहते हैं कि यह व्यावहारिक नहीं क्योंकि इस देश में हर पांच वर्ष बाद चुनाव नहीं होते। दल बदलकर सत्ता प्राप्त करने की इस राजनीति में सरकारें टूटती हैं, बनती-बिगड़ती हैं। तब मध्यावधि चुनाव भी करवाने पड़ जाते हैं। ऐसी वास्तविकता में एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावना कैसे फलीभूत होगी? इसका जवाब यह दिया जाता है कि जहां सरकार टूटे, वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाए और चुनाव एक ही समय पर करवाए जाएं क्योंकि इससे देश को भारी चुनावी खर्च से मुक्ति मिल जाएगी । यह भी सत्य है कि जब-जब जहां चुनाव घोषणाएं होती हैं, सत्तापक्षी-विपक्षी दल आरोपों की राजनीति करते हुए एक दूसरे से भिड़ जाते हैं। अगर एक देश एक चुनाव हो जाएगा तो यह पांच साल में केवल एक बार होगा। हमारा विचार यह है कि यह प्रस्ताव देश के हित में अवश्य है लेकिन राजनीतिक दलों को अपनी सत्ता मोह की राजनीति की जगह जनकल्याण पक्षीय राजनीति अपनानी पड़ेगी। समान नागरिक संहिता जिसे यूसीसी भी कहते हैं, को लागू करने का विचार बहुत देर से भाजपा के एजेंडे में है। गौर करें कि इस देश में विभिन्न जातियां और विभिन्न धर्म हैं, इसलिए विवाह से लेकर बच्चा गोद लेने तक के अधिकतर कानून एक समान बना दिए जाएं। बेशक हमने अपने संविधान को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर रखा है, इसलिए आदर्श स्थिति तो यही है। हमारा देश जाति और धर्म में अस्मिताओं को लेकर बंटा हुआ है। हम कानून के तरीके से समान कानून के साथ एक जाति रहित समाज की कल्पना कर रहे हैं। बेशक हम पाते हैं कि ब्रिटिश काल के कई पुराने कानून खत्म हुए हैं। सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए भी दस फीसदी आरक्षण मिल गया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी हो गया है। देश बदला है, इसे और बदलना चाहिए। सपना राजनीतिज्ञ देखते हैं, लक्ष्य नेतृत्व जारी करता है और आम आदमी जागृति प्राप्त करके इसका पालन करते हुए अपने समाज को एक आदर्श समाज बना सकता है। लेकिन व्यवहार में हर आदमी का संकीर्ण हित उसके सामने सर्वोपरि हो जाता है। वह भूल जाता है कि हजारों लोगों ने डेढ़ सदी तक अंग्रेजों के साथ संघर्ष करके इस देश को आजादी दिलवाई है। अब इसे भौतिकवाद और निजी स्वार्थपरता के अंधेरों में गुम नहीं कर देना चाहिए। समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव मौजूदा स्थिति से उठकर एक आदर्श समाज बनाने का सपना है। इस सपने को साकार करने में अभी तक बहुत कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन भाजपा सरकार ने अपने दल की वर्षगांठ पर अपनी प्रतिबद्ध?ता फिर इन सपनों को साकार करने के लिए जताई है।

आम की सोच को बौना बनाती ह्यखास संस्कृति

खबर मध्य प्रदेश के रायसेन में सांची रोड पर हुई एक सड़क-दुर्घटना की है। इस दुर्घटना में एक पत्रकार की मृत्यु हो गयी। बताया जा रहा है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए समय पर एंबुलेंस नहीं मिल पायी, अन्यथा पत्रकार की शायद जान बच सकती थी। इस तरह की कोई अनोखी घटना नहीं है यह। अक्सर होता रहता है ऐसा। अक्सर आम आदमी को एंबुलेंस-सेवा का समय पर लाभ नहीं मिल पाता। अक्सर मंत्रियों की कारों के काफिले सायरन बजाते, धूल उड़ाते आम आदमी को अंगूठा दिखाते, सड़कों पर आगे निकल जाते हैं। लाल और नीली बत्तियों वाले यह काफिले उस संस्कृति का एक चेहरा हैं जिसे आम बोल-चाल की भाषा में ह्यवीआईपी कल्चरह्न यानी विशिष्ट लोगों की व्यवस्था कहा जाता है। राजनीति में इस व्यवस्था का चेहरा अक्सर दिख जाता है। मंत्रियों के कारों को किसी रुकावट का सामना न करना पड़े, इसके लिए आम जनता की कारें कहीं भी, और कभी भी, रोकी जा सकती हैं। सुरक्षा के नाम पर ऐसी व्यवस्था की गयी है कि किसी मंत्री की कार को ह्यअकेलेह्न कहीं आना-जाना न पड़े। उनकी गाड़ी के आगे भी गाड़ियां होती हैं, पीछे भी। माना जाता है इससे शासक का रुतबा बढ़ता है! इसी रुतबे का नाम है वीआईपी कल्चर यानी विशिष्ट जनों वाली राजनीतिक संस्कृति। इस संस्कृति की पहचान सिर्फ कारों का काफिला नहीं होती। ह्यबड़े लोगह्न कई-कई तरीकों से अपना बड़ा होना सिद्ध करने की कोशिश में लगे रहते हैं।

कथित बड़े लोगों के बच्चे सरकारी अस्पतालों में नहीं पैदा होते। उनके लिए शानदार और महंगे अस्पताल हैं। यह बच्चे सरकारी स्कूलों में भी नहीं पढ़ते। सरकारी स्कूल तो आम आदमी के लिए होते हैं। आम आदमियों के बच्चों के लिए सरकारी स्कूल हैं जहां न बच्चों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था होती है न ठीक-ठाक दिखने वाले स्कूली इमारत की। अक्सर ऐसे खस्ता हाल स्कूलों के बारे में समाचार छपते, प्रसारित होते रहते हैं, पर स्थिति में कोई परिवर्तन आता नहीं दिखता। सरकारी अफसरों, राजनेताओं, पैसे वालों के बच्चों के लिए वीआईपी कल्चर में खास स्कूल होते हैं। खास यानी महंगे। हां, इनका महंगा होना इनकी पहली पहचान और खासियत है। माना जाता है कि इन महंगे स्कूलों की पढ़ाई भी अच्छी होती है। इस अच्छेपन की परिभाषा भी अलग-अलग होती है।

आपके पत्र

एक युग का अंत

भारतीय संगीत जगत गहरे शोक में डूबा हुआ है, क्योंकि आशा भोंसले अब हमारे बीच नहीं रहीं। उन्होंने अपने जीवन के बानवे वर्षों में जो संगीत साधना की, वह केवल एक कलाकार का सफर नहीं था, बल्कि वह भारत की सांस्कृतिक आत्मा की आवाज बन गया था। उनके निधन के साथ ही एक ऐसा युग समाप्त हो गया है जिसने पीढ़ियों को सुरों से जोड़े रखा और संगीत को जीवन का उत्सव बना दिया।

आशा भोंसले का जन्म महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर स्वयं एक प्रसिद्ध कलाकार थे और घर में संगीत का वातावरण था। लेकिन बचपन आसान नहीं था। पिता के निधन के बाद परिवार पर आर्थिक संकट छा गया। इस कठिन समय में इस परिवार ने कई कुछ सीखा।

अनुराग, रांची

0

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम की भव्य प्रतिमा बनेगी बिंदुधाम की नई पहचान : शक्तिनाथ

41 फिट ऊंची प्रभु श्री राम की प्रतिमा के निर्माण की रखी गई आधारशिला

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : झारखंड के साहिबगंज जिला अंर्तगत बरहरवा में सुप्रसिद्ध बिंदुधाम मंदिर परिसर में सोमवार को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मयार्दा पुरूषोत्तम प्रभु श्री राम की 41 फिट ऊँची भव्य प्रतिमा के निर्माण को लेकर प्रतिमा की रूपांतरण ढाँचा के समक्ष पुरोहित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत भूमिपूजन कर पतना प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी,रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कु.यादव व कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन के हाथों संयुक्त रूप से आधारशिला रखी गईं।राम नाम के जयकारे के साथ उपस्थित सैकड़ो श्रद्धालुओं ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया ,तत्पश्चात पूजा अर्चना के बाद आशीर्वाद ग्रहण किया।बिंदुधाम मंदिर प्रबंधन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन ने बताया कि बिंदुधाम मंदिर बिकास की नई ऊंचाइयों को छूने और भारत के प्रशिद्धि पटल पर पहुँचने के लिए आगे बढ़ चुकी है।झारखंड में प्रभु श्री राम की सबसे भव्य और ऊँची प्रतिमा बनने के बाद यहाँ की खूबसूरती और आध्यात्मिक माहौल को नई ऊर्जा मिलेगी।प.बंगाल के कलाकारों द्वारा प्रतिमा की रचना को सुसज्जित और भव्यता का रूप दिया जाएगा,जिसकी तैयारियाँ पूरी की जा चुकी है ,जमीनी स्तर पर सीताकुंड की रचना को लेकर फाउंडेशन की रूपरेखा और सीमांकन कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है,लगभग 1 करोड़ की लागत से बनने वाली इस भव्य प्रतिमा के पूर्ण होने के बाद पूरे बिंदुधाम ही नहीं बल्कि पूरे झारखण्ड में एक अलग पहचान बनेगी।प्रतिमा के निर्माण कार्य को पूरा करने का लक्ष्य अगले वर्ष 2027 में रामनवमी को रखी गई है।ज्ञात हो कि पूर्व से प्रभु श्री राम के परमभक्त भगवान श्री हनुमान जी की 36 फिट ऊँची प्रतिमा बिंदुधाम मंदिर की अलग पहचान दिलाई है,मान्यता है कि त्रेता युग में जब रावण के साथ युद्ध में लक्ष्मण जी घायल हुए थे तभी संजीवनी बूटी के लिए हनुमान जी पूरे पर्वत को हाथ में लेकर लंका जा रहे थे तभी उनके चरण बिंदुधाम के पहाड़ियों में कुछ देर के लिए पड़ी थी जिसकी छाप आज भी यहाँ मौजूद है जहाँ भक्तगण भारी संख्या में आकर यहाँ पूजा अर्चना करते है।वहीं हनुमान जी की भब्य मूर्ति स्थापित की गई है ,उसी को ध्यान में रखते हुए प्रभु श्री राम की प्रतिमा की ऊँचाई में वृद्धि की गई है।बिंदुधाम मंदिर प्रबंध समिति के इस ऐतिहासिक पहल से नगरवासियों में खुशी का माहौल है और लोग श्री राम की अद्भुत रुप देखने के लिए उत्सुख है।मौके पर सैकड़ो नगर के गणमान्यों सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

उपायुक्त ने फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया निरीक्षण

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने अस्पताल परिसर में लगे सभी वाटर प्यूरीफायर को अविलंब दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को पेयजल की किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। साथ ही मरीजों के लिए गर्म पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने अस्पताल में उपलब्ध जांच सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक जांच मशीनों की नियमानुसार शीघ्र खरीद करने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को आवश्यक जांच के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि अस्पताल में सभी आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें।

डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति एवं कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त ने बायोमेट्रिक सिस्टम के आधार पर भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पताल में स्थापित कीओस्क मशीन को नियमित रूप से अपडेट रखने को कहा, ताकि उसमें दवा की उपलब्धता, बेड की स्थिति एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां सटीक रूप से प्रदर्शित होती रहें।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था को अविलंब सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इस सेवा में किसी प्रकार की कमी मरीजों के इलाज में बाधा बन सकती है। इसके अतिरिक्त अस्पताल में आने वाले लोगों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, सभी वार्डों में लगे एयर कंडीशनर (अउ) की मरम्मत एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

उन्होंने आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों की शीघ्र खरीद सुनिश्चित करने के साथ-साथ डिलेवरी रूम में आधुनिक मॉनिटर एवं नवजात शिशुओं के लिए वेंटिलेटर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट रूप से कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार लाते हुए आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बोरियो इंस्पेक्टर नुनु देव के नेतृत्व में चला वाहन जांच अभियान

साहिबगंज/बोरियो : थाना क्षेत्र में सुरक्षाव्यवस्था सुदृढ़ करने और यातायात नियम के पालन को लेकर सोमवार की संध्या बोरियो पुलिस ने वाहन जाँच अभियान चलाया। यह अभियान बोरियो तिनमुहानी बाईपास के पास बोरियो प्रभाग के इंस्पैक्टर नुनु देव के नेतृत्व में संचालित किया गया।जांच अभियान के दौरान पुलिस ने दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात, डिक्की तथा हेलमेट की जांच की जहां दर्जनों वाहनों की सघन जांच की गई,पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालक को यातायात नियमों का पालन करने,आवश्यक दस्तावेज साथ रखने,शराब पी कर गाड़ी नहीं चलाने तथा हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की हिदायत दी।अभियान के दौरान पुलिस बल के जवान भी मौके पर तैनात थे । इंस्पैक्टर नुनु देव ने बताया कि सड़क सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर आगे भी इस तरह की जांच अभियान जारी रहेगी।

भीमराव अंबेडकर की जयंती व स्थापना दिवस रेलवे प्रांगण में मनाया जाएगा

साहिबगंज : रेलवे स्टेशन के सामने स्थापित डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती व स्थापना दिवस रेलवे प्रांगण में मनाया जाएगा।ऑल इंडिया एससी /एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के ब्रांच सेक्रेटरी प्रेम शंकर पासवान ने बताया कि 22अपैल को स्थापना दिवस के अवसर पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती समारोह कार्यक्रम मनाया जाएगा,जिसमें मुख्य अतिथि मालदा रेल मंडल के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता,डीसीएम कार्तिक सिंह,रेलवे मजिस्ट्रेट राहुल कुमार,ऑल इंडिया एससी ,एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के जोनल सचिव डॉ समीर कुमार दास,सहित अतिथि शामिल होंगे।कार्यक्रम संध्या 6:00 बजे से आयोजित होगी जिसमें बाबा साहेब के प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम के अलावे सांस्कृतिक कार्यक्रम और उनके विचार रखे जाएंगे।जिसमें भारत स्काउट गाइड,रेलवे स्कूल के छात्र-छात्राएं सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहेंगे।

बढ़ती गर्मी और लू को लेकर उपायुक्त ने दिए कई निर्देश

देवघर : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह द्वारा जानकारी दी गई है कि राज्य में बढ़ती गर्मी और लू (ल्हीं३६५ी) के प्रभाव को देखते हुए छात्र-हित में राज्य सरकार द्वारा सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) और सभी निजी विद्यालयों के संचालन समय में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, यह नया समय सारणी दिनांक 21.04.2026 से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। साथ ही सभी कोटि के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी प्रातः 07:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक गैर शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन करते रहेंगे।

आनंद मार्ग प्रचारक संघ ने आदिवासी क्षेत्र में किया भोजन वितरण, सैकड़ों ग्रामीण लाभान्वित

संवाददाता

साहिबगंज : आनंद मार्ग प्रचारक संघ के तत्वावधान में बोरियो प्रखंड के घोगी ग्राम पंचायत अंतर्गत दुर्गा टोला में आदिवासी ग्रामीणों के बीच भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीण महिला पुरुष एवं बच्चों ने भाग लिया और भोजन ग्रहण किया।कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहीं अवधूतिका विष्णुमाया आचार्या ने कहा की जरूरतमंद लोगों के बीच उनकी रोजमर्रा की आवश्यक चीजों की पूर्ति करना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है।मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है।₹संस्था के जिला कार्यालय व वित्त विभाग प्रभारी प्रभाकर देव ने कहा की विश्व में जो अव्यवस्था फैली हुई है,इसका समाधान सिर्फ निःस्वार्थ मानव सेवा से ही संभव है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना हमारा कर्तव्य है। जिला आश्रम प्रभारी अरुण कुमार ने बताया की संस्था में लोगों द्वारा दिया जाने वाला चंदा सीधे जनकल्याण के कार्यों में लगाया जाता है।पारदर्शिता के साथ हर सहयोग का उपयोग जरूरतमंदों तक पहुंचाने का हम प्रयास करते हैं। संस्था की सहयोगी सुनीता कुमारी ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा की ₹महिलाओं को आगे बढ़ाकर ही हम नए युग की कल्पना कर सकते हैं।यदि उनका विकास नहीं होता है तो स्वच्छ समाज और परिवार की कल्पना अधूरी रहेगी।जिला प्रउत के भुक्ति प्रधान आशुतोष रंजन ने विश्व शांति का संदेश देते हुए कहा की ₹विश्व शांति के लिए मानव जाति को एक होना ही पड़ेगा।ऊंच-नीच का भेदभाव समाप्त करके ही हम विश्व गुरु बनने की कल्पना को साकार कर सकते हैं।₹ज्ञात हो कि दुर्गा टोला पहुंचना अत्यंत कष्टकारी है।ऊबड़-खाबड़ रास्तों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र के कारण यहां पहुंचना बहुत कठिन है।इस इलाके में मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है और यहां रह रहे आदिवासी लोगों के लिए रोजमर्रा की जरूरत का सामान जुटा पाना एक बड़ी चुनौती है।इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए संस्था ने यहां सेवा कार्य को प्राथमिकता दिया।आनंद मार्ग प्रचारक संघ साहिबगंज जिला में लगातार मानव कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपा देवी,तेजस्विनी देव,सुभाषी देव,छोटी देव,सुब्रत देव एवं जयश्नु देव सहित संस्था के अन्य कार्यकताओं का सराहनीय सहयोग रहा।

कलयुग में वीर हनुमान से प्रभावी कोई नहीं : प्रेमलाल मंडल

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के वार्ड नंबर 16 झरना कॉलोनी इमली टोला शिव पार्वती मंदिर परिसर में नवनिर्मित वीर बजरंगबली के नवनिर्मित मंदिर व बजरंगबली का प्राण प्रतिष्ठा पूजन लगातार दूसरे दिन सोमवार को वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से आचार्य रंजय शास्त्री सहित पांच पुरोहित ने किया।मुख्य जजमान प्रेमलाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने पूजन हवन किया।वही उन्होंने कहा कि नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर में भगवान महावीर की प्राण प्रतिष्ठा हुआ।कलयुग में वीर हनुमान से प्रभावी कोई नहीं है। शहर,जिला राज्य देश के कल्याण के लिए मंदिर निर्माण करके बजरंगबली प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा किया गया है। श्रीराम नाम के जयकारा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है।वही इससे पूर्व पहले दिन कलश भरकर लाया गया ओर पूजन करके शाम को बजरंगबली की प्रतिमा को गाजे बाजे ढोल नगाड़े के साथ शहर भ्रमण कराया गया। 24 घंटा अष्ट्याम चल रहा है।मौके पर वार्ड पार्षद अमृता कुमारी,पूर्व वार्ड पार्षद मंजूषा देवी,विशाल कुमार,शिव लाल मंडल सहित सैकड़ो महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

हजारीबाग में गहराया संकट, हर दो घंटे पर बिजली कटौती से जनजीवन बेहाल

हजारीबाग : हजारीबाग हमारे प्रतिनिधि अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत जिले के प्रमुख अस्पतालों, स्कूलों व मॉलों में सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें अग्निशमन कर्मियों ने आग से बचाव, अग्निशामक यंत्रों के उपयोग, और आपातकालीन निकासी का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, ताकि आग लगने की स्थिति में जान-माल की रक्षा की जा सके। शैलेन्द्र किशोर ने बताया कि इसका उद्देश्य गर्मियों में आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए लोगों को जागरूक करना और आपात स्थिति के लिए तैयार करना है। अग्निशमन टीम ने फायर एक्सटिंग्विशर, हाइड्रेंट और फायर बकेट का उपयोग करके आग बुझाने का प्रदर्शन किया। इस दौरान अस्पताल कर्मियों, छात्रों और नागरिकों को यह सिखाया गया कि आग लगने पर न घबराएं, अलार्म बजाएं, और सुरक्षित बाहर निकलने का प्रशिक्षण दिया गया।अधिकारियों ने संस्थानों में कार्यशील अग्निशमन उपकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन अग्निशामकों को श्रद्धांजलि देना भी है जिन्होंने कर्तव्य के दौरान जान गंवाई। उन्होंने बताया कि होटल फ़्लोरिस्टा हजारीबाग के कर्मियों के बीच आग से बचाव एवं अग्निशमन यंत्र के संचालन की जानकारी देते हुए होटलों में आग के संभावित कारणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

जयंती पर याद किए गए बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर

संवाददाता

दुमका : भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान् समाज सुधारक डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 136वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीधर दास के नेतृत्व में शहर के गांधी नगर मोहल्ले में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्येंद्र कुमार सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष रुपेश कुमार मण्डल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रारंभ बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों,उनके संघर्षों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती केवल एक औपचारिक अवसर नहीं,बल्कि यह सामाजिक न्याय,समानता और आत्मसम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ करने का दिवस है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए बाबा साहेब ने जो मुकाम हासिल किया,वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट स्रोत है। उनका संपूर्ण जीवन समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा।

उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब केवल एक व्यक्ति नहीं,बल्कि समानता,स्वतंत्रता और बंधुत्व के सशक्त विचार हैं,जिन्होंने भारतीय समाज को नई दिशा दी और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया। भारतीय जनता पार्टी उनके विचारों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के सिद्धांत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के ह्लसबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व के मंत्र के माध्यम से आज देश में समावेशी विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है,जो बाबा साहेब के सामाजिक न्याय के सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा जिलाध्यक्ष रुपेश कुमार मण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाकर ही एक समरस और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर बाबा साहेब के विचारों का प्रसार करें और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करें।

कार्यक्रम में धर्मेंद्र सिंह बिट्ठू,गायत्री जायसवाल,पिंटू साह,दिनेश सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहें ।

भाजपा महिला आरक्षण को लेकर महिलाओं को कर रहा है भ्रमित : कांग्रेस

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : महिला आरक्षण बिल को लेकर राजनैतिक सरगर्मी तेजी से बढ़ती जा रही है,इस गंभीर मुद्दे पर काँग्रेस भाजपा को आड़े हाथों ले रही है।सोमवार को साहिबगंज जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,वरिष्ठ कांग्रेसी सह नगर पर्यवेक्षक कमल आर्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाम रब्बानी ने संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला आरक्षण को लेकर पार्टी का स्पष्ट रुख रखा।उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण कानून (महिला आरक्षण विधेयक 2023) संसद में कांग्रेस सहित लगभग सभी विपक्षी दलों के समर्थन से पास हुआ।लेकिन इसे तुरंत लागू करने के बजाय भाजपा सरकार द्वारा परिसीमन से जोड़ देना महिलाओं को तत्काल राजनीतिक भागीदारी से वंचित करता है।बरकत खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 33% महिला आरक्षण के पक्ष में है,लेकिन यह आरक्षण सामाजिक न्याय के आधार पर लागू होना चाहिए,ताकि पिछड़े,दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।वर्तमान समय में विभिन्न राज्यो में विधानसभा में चुनाव को लेकर भाजपा महिला आरक्षण को लेकर महिलाओं को भ्रमित करने की गहरी साजिश कर रही है।वहीं वरिष्ठ कांग्रेसी कमल आर्य ने सवाल उठाते हुए कहा, ह्लक्या यह कानून वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाने की सच्ची पहल है। या फिर इसे भविष्य के चुनावी समीकरणों को साधने के लिए एक रणनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा हैह्ल?ह्व

वहीं,प्रेस को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाम रब्बानी ने कहा कि भाजपा सरकार इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गंभीर नहीं दिख रही है।उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं है,बल्कि उन्हें तत्काल अधिकार चाहिए।तीनों नेताओं ने एक स्वर में केंद्र सरकार से मांग की कि महिला आरक्षण को बिना देरी के तुरंत और समावेशी रूप में लागू किया जाए,ताकि लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी मजबूत हो सके।कांग्रेस हमेशा महिलाओं के सम्मान के लिए खड़ी थी खड़ी है और खड़ी रहेगी।

पैन-इंडिया नागबंधम का दूसरा गीत सुरा सुरा रिलीज हाई-एनर्जी म्यूज़िकल एक्सपीरियंस से मचाई धूम

बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्म नागबंधम का दूसरा सिंगल सुरा सुरा रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गया है। अपनी दमदार बीट्स, ऊजार्वान प्रस्तुति और सांस्कृतिक रंगों से सजा यह गीत दर्शकों को फिल्म की भव्यता और इसकी प्रभावशाली कहानी की झलक देता है। रिलीज के साथ ही इस ट्रैक ने संगीत प्रेमियों के बीच खास उत्साह पैदा कर दिया है।

ह्यसुरा सुरा को संगीतकार जोड़ी जुनैद कुमार अभे ने कंपोज किया है, जिन्होंने पारंपरिक संगीत तत्वों को आधुनिक साउंड डिजाइन के साथ खूबसूरती से पिरोया है। यह फ्यूजन गीत को एक अलग पहचान देता है और सुनने वालों को एक नया म्यूज़िकल अनुभव प्रदान करता है। गाने को नकाश अजीज, रितेश जी राव, नदाप्रिया और बृंदा ने अपनी दमदार आवाजों से सजाया है, वहीं विमल कश्यप के बोल गीत में गहराई और भावनात्मक जुड़ाव पैदा करते हैं।

संगीत संयोजन और प्रोग्रामिंग की जिम्मेदारी खुद जुनैद कुमार ने संभाली है, जबकि अतिरिक्त प्रोग्रामिंग क्रांति संजय बोब्बिली ने की है। हेमंत कश्यप द्वारा बजाए गए वायलिन पीसेज गीत की भावनात्मक परतों को और समृद्ध बनाते हैं। इसके साथ ही बैकिंग वोकल्स की मजबूत टीम इस ट्रैक के स्केल और प्रभाव को और बढ़ाती है।

गीत का लिरिकल वीडियो भी अपने विजुअल्स के जरिए गाने की ऊर्जा और थीम को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है, जो दर्शकों के लिए इसे और भी आकर्षक बनाता है। फिल्म नागबंधम में विराट कर्णा, ऋषभ साहनी, नाभा नटेश, ईश्वरीया मेनन, महेश मांजरेकर और जगपति बाबू जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं टिया वाजपेयी

अभिनेत्री टिया बाजपेयी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। टिया बाजपेयी फ्रांस के मोनाको शहर में अपनी हॉलीवुड परियोजना की शूटिंग कर रही हैं। फिलहाल वह लोकेशन पर हैं और ओमिद रोमल के निर्देशन में शूटिंग कर रही हैं, जो उनके बढ़ते करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाने वाली टिया इस नए अध्याय को पूरे उत्साह और दृढ़ता के साथ अपना रही हैं। यह फिल्म, जिसमें एक विविध अंतरराष्ट्रीय टीम शामिल है, उन्हें एक नए सिनेमाई अनुभव को एक्सप्लोर करने और वैश्विक दर्शकों से जुड़ने का अवसर दे रही है।

मोनाको के खूबसूरत नजारों से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन की अनुशासित कार्यशैली तक, टिया पूरी तरह इस अनुभव में डूबी हुई हैं। सेट पर, वह सिर्फ अपने प्रदर्शन के लिए ही नहीं बल्कि अपनी प्रोफेशनलिज्म और अनुकूलन क्षमता के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही हैं। हॉलीवुड प्रोजेक्ट में कदम रखना अपने आप में चुनौतियों भरा होता है, लेकिन टिया इसे बेहद सहजता से संभालती नजर आ रही हैं और अपने विकास व उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही हैं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए टिया ने कहा कि मोनाको में शूटिंग करना किसी सपने जैसा लगता है।

सेट पर हर दिन एक नया सीखने का अनुभव है और इतनी प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम करना बेहद प्रेरणादायक है। यह प्रोजेक्ट मेरे लिए बहुत मायने रखता है।यह सिर्फ हॉलीवुड में कदम रखने के बारे में नहीं है, बल्कि एक कलाकार के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के बारे में है। कैमरे के बाहर भी टिया मोनाको की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं, जो अपनी शानदार लाइफस्टाइल और सिनेमाई आकर्षण के लिए जाना जाता है। वहां का जीवंत माहौल उनके इस सफर को और भी खास बना रहा है। इस प्रोजेक्ट के साथ, टिया बाजपेयी साफ तौर पर अपनी सीमाओं से आगे बढ़ते हुए एक ऐसा करियर बना रही हैं, जिसमें प्रतिभा, महत्वाकांक्षा और वैश्विक अपील का बेहतरीन मिश्रण है। जैसे-जैसे वह मोनाको में शूटिंग जारी रख रही हैं, उनके इस संभावित हॉलीवुड डेब्यू पर सभी की नजरें टिकी हैं, जो पहले से ही फैंस और इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पतिवर्स की वापसी: पति- पत्नी और वो दो में तिगुना कन्फ्यूजन

पति- पत्नी और वो दो के मेकर्स टी-सीरीज और बीआर स्टूडियोज ने अपनी बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा का टीजर जारी कर दिया है। टीजर में हंसी, कन्फ्यूजन और भरपूर हंगामे की झलक साफ नजर आती है।

पति-पत्नी-और-वो की क्लासिक कहानी को एक नए अंदाज में पेश करते हुए, पति- पत्नी और वो दो का टीजर दर्शकों को पतियों की दुनिया यानी पतिवर्स में फिर से ले जाता है। इस बार कहानी में नया ट्विस्ट जोड़ा गया है। आयुष्मान खुराना, प्रजापति पांडे के किरदार में नजर आते हैं, जो अपनी जिंदगी में मची उथल-पुथल से जूझते दिखते हैं।

हालात तब और बिगड़ जाते हैं जब वो एक नहीं, दो नहीं बल्कि तीन महिलाओं के बीच फंस जाते हैं, जिनके किरदार में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी। बढ़ती गलतफहमियों के बीच जब मामला पूरी तरह उलझ जाता है, तब विजय राज एक पुलिस अधिकारी के रूप में एंट्री लेते हैं और कहानी में और भी मजेदार मोड़ आ जाता है।

गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी-सीरीज प्रस्तुत, टी-सीरीज फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज के बैनर तले बनी पति पत्नी और वो दो का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने किया है, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर जूनो चोपड़ा हैं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रामायण में रणबीर कपूर के भगवान श्रीराम के लुक पर बोले अनुराग बसु, उसे चैलेंज पसंद

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी रामायण को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। नितेश तिवारी की इस फिल्म में रणवीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। रणवीर का रामायण से भगवान राम के रूप में लुक दो अप्रैल को मुंबई में एक ग्रैंड इवेंट में दिखाया गया। इससे पहले, लॉस एंजल्स में कुछ चुनिंदा दर्शकों को उनके लुक की एक झलक भी दिखाई गई थी। जहां, पर कुछ लोगों ने रणबीर के लुक की तारीफ की, वहीं कुछ लोग कम सहमत थे और उन्हें रोल के लिए मिसफिट कहा।

ऐसे में अब, फिल्ममेकर अनुराग बसु ने रणबीर के भगवान राम के किरदार पर अपना रिएक्शन दिया। रामायण में रणबीर के लुक की तारीफ करते हुए कहा, जब रणबीर ने फिल्म साइन की थी, तो मैंने उन्हें राम के रोल में जिस तरह से सोचा था और जो मुझे उम्मीद थी, वह बहुत अच्छा था। मुझे उम्मीद थी कि रणबीर ऐसे ही दिखेंगे, क्योंकि उन्हें चैलेंज पसंद हैं।

'आखिरी सवाल' का दमदार पोस्टर आउट, संजय दत्त के इंटेंस लुक ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त द्वारा निर्मित 'आखिरी सवाल' में कलाकारों की एक दमदार फौज नजर आने वाली है, जिसमें संजय दत्त के साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा शामिल हैं। नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

संजय दत्त स्टारर 'आखिरी सवाल' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है। जब से इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ है, इसे लेकर काफी चर्चा है और हाल ही में आए इसके टीजर ने एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है। फिल्म की एक झलक ही काफी दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाली है, जिसे देखकर लगता है कि यह असली घटनाओं से प्रेरित है और कुछ सबसे विवादित और चर्चा में रहने वाले विषयों को दिखाती है।

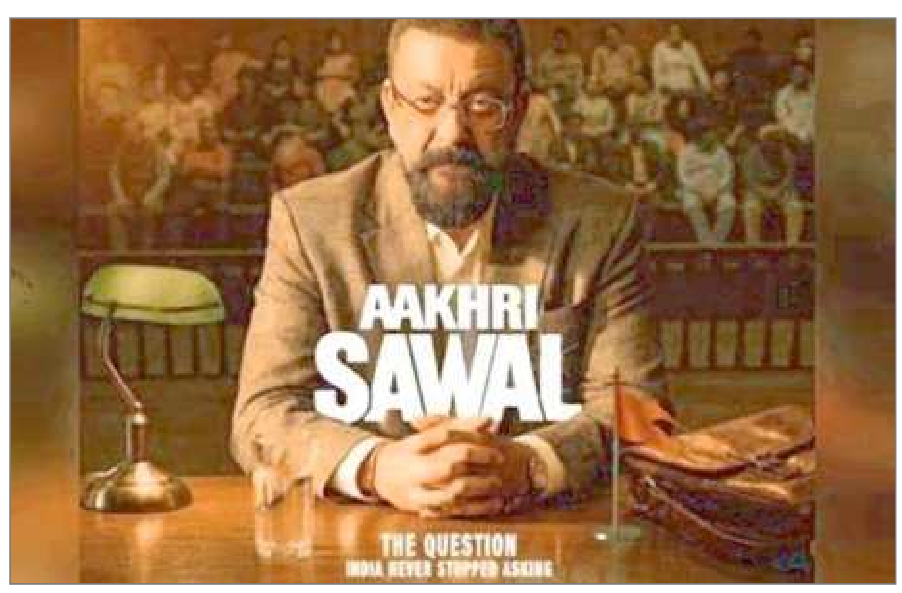

अब, फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने एक बहुत ही पावरफुल पोस्टर शेयर किया है। इस इंटेंस पोस्टर में संजय दत्त सबसे आगे बैठे नजर आ रहे हैं और उनके पीछे लोगों से भरा एक कमरा दिख रहा है, जो उनके दबदबे और फिल्म के रहस्य को दर्शाता है। पोस्टर की सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि वह एक किताब के ठीक सामने बैठे हैं । यह साफ तौर पर फिल्म की निडर कहानी और संजय दत्त के जटिल व ताकतवर किरदार की ओर इशारा करता है। यह विजुअल एक बहुत ही गंभीर माहौल बनाता है, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म कई परतों वाली कहानी और विवादित मुद्दों को गहराई से छूने वाली है।

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत बोलीं-

हमें मुश्किल समय में एकजुट होकर रहने की जरूरत

डरबन: भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह छोटे प्रारुप में टीम के खराब प्रदर्शन से चिंतित नहीं है। हमें सकारात्मक सोच के साथ एकजुट रहने की जरूरत है। भारत ने अपना लगातार दूसरा टी-20 मैच और इस साल का तीसरा मैच गंवा दिया, जब दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें आठ विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज में प्रोटियाज के खिलाफ भारत 2-0 से पीछे हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद डरबन में मैच के बाद के हरमनप्रीत ने कहा, यह मुश्किल समय है। एक टीम के तौर पर हमें एकजुट रहने की जरूरत है। उम्मीद है, हम तीसरे मैच के लिए जोहान्सबर्ग एक सकारात्मक सोच के साथ जाएंगे।

आईपीएल 2026: सनराइजर्स हैदराबाद की नजर चौथी जीत पर, दिल्ली के खिलाफ मुकाबला आज

दिल्ली के हौसले भी बुलंद, आज शाम 7:30 बजे से टक्कर

एजेंसी/ हैदराबाद: पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को हैदराबाद में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले आईपीएल मैच में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। दोनों टीम के अभी छह-छह अंक हैं, लेकिन सनराइजर्स का नेट रन रेट बेहतर है और इसलिए वह चौथे स्थान पर काबिज है। एसआरएच जहां जीत का चौका लगाना चाहेगी, वही पिछले मैच में जीत से उत्साहित दिल्ली कैपिटल्स के हौसले भी बुलंद होंगे। कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में सनराइजर्स की गेंदबाजी कमजोर नजर आ रही थी, लेकिन उसने धीरे-धीरे इसमें सुधार कर लिया है। कमिंस भी टीम से जुड़ गए हैं, लेकिन वह इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स की तरफ से पिछले दो मैच में अपेक्षाकृत कम चर्चित खिलाड़ियों प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार ने मौकों का पूरा फायदा उठाया है। बल्लेबाजी सनराइजर्स का मजबूत पक्ष रहा है, लेकिन पिछले कुछ मैच में उसके प्रमुख बल्लेबाज जैसे ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए हैं। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने रन बनाए हैं, लेकिन टीम को उनसे और अधिक योगदान की जरूरत है।

सनराइजर्स हैदराबाद– ईशान किशन, अभिषेक शर्मा, सलिल अरोड़ा, हर्ष दुबे, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, साकिब हुसैन, शिवांग कुमार, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी

दिल्ली कैपिटल्स– अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारेख, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव।

भारत बना दुनिया का विकास इंजन, वैश्विक संघर्षों के बावजूद तेजी से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था, यूएन का अनुमान

नई दिल्ली : वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों–जैसे इजरायल-ईरान तनाव और रूस-यूक्रेन युद्ध–के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्ष 2026 और 2027 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रह सकता है।

यूनाइटेड नेशन्स इकोनॉमिक एंड सोशल कमीशन फॉर एशिया एंड पैसिफिक (एस्कैप) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट बताती है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं ने 2025 में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 2024 के 5.2 प्रतिशत से अधिक है। इसमें भारत की मजबूत आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वर्ष 2025 में भारत की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत तक पहुंची, जिसे खासतौर पर मजबूत घरेलू मांग–विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों–और कर सुधारों से समर्थन मिला।

हालांकि, 2025 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में कुछ नरमी देखी गई। अमेरिकी टैरिफ नीतियों के कारण भारत के निर्यात पर असर पड़ा और अमेरिका को होने वाले निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। इसके बावजूद सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बना रहा।

महंगाई के मोर्चे पर भी स्थिति नियंत्रित रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मुद्रास्फीति दर 2026 में 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.3 प्रतिशत रहने की संभावना है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक व्यापार तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट आई है। 2024 में हल्की वृद्धि के बाद 2025 में इसमें कमी दर्ज की गई, जबकि वैश्विक स्तर पर निवेश प्रवाह बढ़ा। इसके बावजूद, ग्रीनफील्ड निवेश आकर्षित करने वाले प्रमुख देशों में भारत शामिल रहा। साथ ही, विदेशों में काम कर रहे एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के श्रमिकों द्वारा भेजी जाने वाली धनराशि (रेमिटेंस) में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्थाओं को सहारा मिल रहा है। समग्र रूप से, रिपोर्ट संकेत देती है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिरता और निरंतर वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रही है।

ट्रंप बोले- ईरान के परमाणु ठिकानों से यूरेनियम निकालना लंबी और कठिन प्रक्रिया

वॉशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के परमाणु स्थलों से सामग्री निकालना लंबी और कठिन प्रक्रिया होगी। ट्रंप ने दावा किया कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत ईरान के परमाणु स्थलों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है और वहां मौजूद समृद्ध यूरेनियम को निकालना आसान नहीं होगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अमेरिकी मीडिया की आलोचना करते हुए कहा कि वह अमरीकी पायलटों को उनके योगदान का श्रेय देने में विफल रहा है और लगातार उनकी उपलब्धियों को कम करके दिखाता है।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और 10 दिन का अस्थाई युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है।

ऑपरेशन मिडनाइट हैमर 22 जून 2025 को किया गया अमेरिकी सैन्य अभियान था, जिसमें ईरान के प्रमुख परमाणु केंद्रों फोर्दो, नतांज और इस्फहान को निशाना बनाया गया था। इस ऑपरेशन में बी-2 स्टेल्थ बमवर्षक, टॉमहॉक मिसाइलें और अन्य उन्नत सैन्य संसाधनों का उपयोग किया गया था।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर क्षति पहुंची और इसे काफी पीछे धकेल दिया गया, हालांकि नुकसान के वास्तविक स्तर को लेकर अलग-अलग आकलन सामने आए हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब दोनों देशों के बीच संभावित शांति वार्ता की तैयारी चल रही है, लेकिन जमीनी हालात अभी भी बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

राहुल गांधी की नागरिकता केस सुनने से हाईकोर्ट जज का इनकार

एजेंसी/ लखनऊः कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता मामले में न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है। साथ ही सुनवाई के लिए नए बेंच को नॉमिनेट करने के लिए फाइल को मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष भेजने के निर्देश दिए हैं। याची एस.विग्नेश शिशिर द्वारा सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है। याचिकाकर्ता ने पोस्ट किया था कि यदि आपने किसी से पैसा लिया है तो उसे वापस कर दें, अन्यथा आपको जेल जाना होगा। हालांकि उसने अपने पोस्ट में जज का जिक्र नहीं किया था। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने हाल ही में दोहरी नागरिकता मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। शनिवार को हाई कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध आदेश में न्यायालय ने कहा कि शुक्रवार को सुनवाई के दौरान याची समेत केंद्र और राज्य सरकार के अधिवक्ताओं से पूछा गया था कि क्या इस मामले में विपक्षी संख्या एक (राहुल गांधी) को नोटिस जारी किए जाने की जरूरत है।

अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि नोटिस जारी किए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बाद ओपन कोर्ट में एफआईआर दर्ज करने का विस्तृत आदेश पारित कर दिया गया। हालांकि, अपने उक्त आदेश के टाइप होने और उस पर हस्ताक्षर होने के पहले ही न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने पाया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की पूर्ण पीठ ने वर्ष 2014 में पारित एक निर्णय में कहा है कि एफआईआर दर्ज किए जाने के मांग वाले प्रार्थना पत्रों के खारिज होने पर पुनरीक्षण याचिका ही पोषणीय है और ऐसी याचिका पर प्रस्तावित अभियुक्त को नोटिस भेजा जाना अनिवार्य है। न्यायालय ने कहा कि इस विधिक स्थिति में विपक्षी संख्या एक (राहुल गांधी) को नोटिस जारी किए मामले को निर्णित करना उचित नहीं है।

चिप से लेकर शिप तक बढ़ेगा व्यापार, भारत-दक्षिण कोरिया के बीच सहयोग के नए दौर की शुरूआत

नई दिल्लीः साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग भारत की यात्रा पर हैं। इस बीच, भारत और कोरिया के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। आठ सालों के बाद कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा ने दोनों देशों के बीच संबंधों को फ्यूचरिस्टिक पार्टनरशिप में बदलने की मजबूत नींव रखी है। इस यात्रा को न सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की रणनीतिक राजनीति के संबंध में भी खास माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच कई चीजों को लेकर सहमति बनी है, ताकि व्यापार और भी मजबूती से आगे बढ़ सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कहा कि भारत और कोरिया के संबंध साझा मूल्यों पर आधारित हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था, कानून के शासन का सम्मान और मार्केट इकोनॉमी, ये सभी चीजें दोनों देशों के डीएनए का हिस्सा हैं। यही कारण है कि बदलते ग्लोबल नजरिए में दोनों देश एक-दूसरे के स्वाभाविक साझेदार बनकर उभर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि इस यात्रा का सबसे बड़ा फोकस आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई दिशा देना रहा। सेमीककंडक्टर, एआई, शिपबिल्डिंग, ऊर्जा और एंटरटेनमेंट जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को विस्तार देने पर सहमति बनी है। खास तौर पर इंडिया-कोरिया डिजिटल ब्रिज की शुरूआत को एक गेमचेंजर पहल माना जा रहा है, जो दोनों देशों के बीच डिजिटल कनेक्टिविटी, इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई गति देगा। इससे न केवल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन में भी दोनों देशों की भूमिका मजबूत होगी। 2030 तक 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचेगा कारोबारः दोनों देशों ने व्यापार, संस्कृति और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और कोरिया का द्विपक्षीय व्यापार आज 27 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। 2030 तक इसे 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए हमने आज कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

2500 करोड़ का बड़ा साइबर फ्राड, 85 फर्जी खातों का खुलासा, बैंक के तीन अधिकारी समेत 20 गिरफ्तार

नई दिल्ली : गुजरात के राजकोट में 2500 करोड़ रुपये के बड़े साइबर फ्रॉड का खुलासा हुआ है। इस मामले में निजी बैंकों के अधिकारियों की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। राजकोट (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विजय गुर्जर के अनुसार, पाधाधरी स्थित यस बैंक के पर्सनल मैनेजर मौलिक कामानी, जामनगर स्थित एक्सिस बैंक के मैनेजर कल्पेश डांगरिया और एचडीएफसी बैंक के पर्सनल बैंकर अनुराग बाल्धा को गिरफ्तार किया गया है।

जांच में सामने आया है कि मौलिक कामानी ने पहले से गिरफ्तार आरोपियों की मदद करते हुए संदिग्ध बैंक खाते खुलवाए और उनका संचालन किया। उसने विभिन्न दस्तावेजों का उपयोग कर इन खातों को सक्रिय बनाए रखा, जिससे बड़ी रकम के लेन-देन पर बैंक अलर्ट को नजरअंदाज किया जा सके।

वहीं कल्पेश डांगरिया ने फर्जी पहचान के आधार पर खाते खुलवाने में भूमिका निभाई, जबकि अनुराग बाल्धा ने सत्यापन और प्रमाणन प्रक्रिया पूरी कर नए खातों को वैध रूप देने में मदद की। तीनों आरोपी खातों से नकदी निकालकर हवाला नेटवर्क के जरिए रकम आगे पहुंचाने में भी शामिल थे।

पुलिस ने बताया कि अब तक इस रैकेट से जुड़े 85 बैंक खातों की पहचान की जा चुकी है और साइबर क्राइम पोर्टल पर 535 शिकायतें दर्ज हुई हैं। सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की जांच जारी है।

जहानाबाद में टोल प्लाजा पर गोलीबारी दो युवक घायल

पटनाः सोमवार की देर रात जहानाबाद में एनएच-22 (पटना-गया मार्ग) पर सेरथुआ के पास टोल प्लाजा पर गोलीबारी की घटना हुई. इस मामले में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घायल युवकों ने गोलीबारी का आरोप टोल प्लाजा के कर्मियों पर लगाया है. घायलों में उमराई बीघा के ग्यानी और नियाजीपुर के रोहित कुमार शामिल हैं. एक अन्य युवक मारपीट में जख्मी बताया जाता है।

घायलों ने बताया पूरा मामलाः घायलों के अनुसार, सोमवार की रात उमराई बीघा से बारात मसौढ़ी जा रही थी. टोल प्लाजा पार करने के दौरान किसी बात को लेकर बारात में शामिल लोगों और टोल प्लाजा कर्मियों के बीच विवाद हो गया. इसके बाद देखते ही देखते मारपीट होने लगी. इसी दौरान किसी ने फायरिंग कर दी, जिसमें गोली लगने से दो लोग घायल हो गए. आनन-फानन में घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

एएसपी मनोज पांडे ने क्या बताया? : घटना की सूचना मिलने पर रात में ही एएसपी मनोज पांडे ने सदर अस्पताल पहुंचकर घायल मरीजों की स्थिति की जानकारी ली और घटना के बारे में पूछताछ की. जानकारी के मुताबिक, जिस बंदूक से फायरिंग की गई, उसे भी जब्त कर लिया गया है. एएसपी मनोज पांडे ने बताया कि दो लोग घायल हुए हैं. गोली लगने से दो लोगों के घायल होने की बात बताई जा रही है लेकिन मेडिकल और डॉक्टर की रिपोर्ट आने के बाद ही फायर इंजरी के बारे में कुछ कहा जा सकता है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

युवा परेशान, किसान हताश, उद्योग तबाह और तृणमूल तुष्टीकरण में व्यस्तः योगी

पश्चिमी मेदिनीपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ममता सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए सोमवार को कहा कि बंगाल में युवा परेशान हैं, किसान हताश हैं और उद्योग-धंधे ठप हो गए हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल) सरकार का ध्यान केवल तुष्टीकरण पर है। योगी ने चिलचिलाती धूप में भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए कहा कि रेत, कोयला, जमीन और पशु माफिया बंगाल का शोषण कर रहे हैं, जबकि ममता दीदी को केवल जय श्री राम के नारे से परेशानी होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि त्योहारों से पहले अशांति फैलती है और जुलूसों पर पत्थरबाजी की जाती है।

उन्होंने वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की पहले जय श्री राम का नारा लगाने पर लाठीचार्ज और यहाँ तक कि गोलीबारी भी होती थी, लेकिन अब भगवान राम के भक्तों का स्वागत किया जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब न कर्फ्यू, न दंगा मॉडल पर चलता है, माफिया और गुंडागर्दी से मुक्त है, और अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पिंगला विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए कहा कि पिंगला का अर्थ भगवा है, और यहाँ की मिट्टी आध्यात्मिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने बंगाल के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत ने इस जमीन को सोना उगलने वाला बनाया है और देश का पेट भरा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में पहली बार कोई आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनी है। उन्होंने कांग्रेस, तृणमूल और इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया कि उन्होंने 60 से ज्यादा वर्षों तक शासन किया, लेकिन अनुसूचित जातियों और जनजातियों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया। साथ ही उन्होंने डॉ. बीआर. अंबेडकर का अपमान करने और बंगाल में राष्ट्रपति प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया और कहा कि भारत की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

श्री योगी ने कहा, इन पार्टियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रति जैसा बर्ताव दिखाया, वैसा ही संसद सत्रों के दौरान भी देखने को मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2029 तक महिला आरक्षण अधिनियम लागू करना चाहते थे, वहीं इन पार्टियों ने इसे पारित होने में बाधा डाली। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों का अपमान करना इनकी आदत बन गई है। उन्होंने कहा कि अब लोग भ्रष्टाचार और दुराचार में डूबी सरकार को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बैरकपुर से उठी चिंगारी ने ही स्वतंत्रता के पहले संग्राम को प्रज्वलित किया था। इसी धरती पर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान की रचना हुई थी। स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गुरू रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, रामकृष्ण परमहंस, लाहिड़ी महाशय, खुदीराम बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों के नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल ने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान किया है और अब इसे तृणमुल की अराजकता से मुक्त कराया जाना चाहिए।

सऊदी अरब पहुंचे अजीत डोभाल, पाकिस्तानी फाइटर जेट की तैनाती के बाद भारतीय एनएसए का दौरा

एजेंसी/ रियादः भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सऊदी अरब का अचानक दौरा किया, जहां उन्होंने सऊदी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की हैं। इस दौरान द्विपक्षीय सहयोग के क्षेत्रों की समीक्षा की गई और क्षेत्रीय हालात के ताजा घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रियाद में भारतीय दूतावास ने इस बारे में जानकारी दी है। डोभाल का दौरा सऊदी अरब में पाकिस्तान के फाइटर जेट और सैनिकों के पहुंचने के ठीक बाद हुआ है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, एनएसए अजीत डोभाल ने 19 अप्रैल को रियाद का आधिकारिक दौरा किया।

उन्होंने ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुल अजीज बिन सलमान, विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डॉ. मुसाद अल-ऐबान से मुलाकात की। भारतीय मिशन ने इन मुलाकातों की तस्वीरें भी शेयर की हैं। बयान में बताया गया कि चर्चाओं में दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े रणनीतिक और क्षेत्रीय मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी। दूतावास ने कहा कि बैठकों के दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हितों के अन्य मुद्दों पर चर्चा की। बयान में बताया गया कि चर्चाओं में दोनों देशों के आपसी हितों से जुड़े रणनीतिक और क्षेत्रीय मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी।

न्यूज IN ब्रीफ

भीम ऐप पर अब सिबिल स्कोर की सुविधा

रांची : भीम पेमेंट्स ऐप पर अब उपयोगकर्ता अपना सिबिल स्कोर और क्रेडिट रिपोर्ट देख सकेंगे। ट्रांसयूनियन सिबिल और एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड की साझेदारी से यह सुविधा शुरू की गई है। कंपनी के अनुसार इससे उपयोगकताओं को अपनी क्रेडिट स्थिति समझने, स्कोर पर नजर रखने और बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इस सुविधा के जरिए लोग डिजिटल भुगतान के साथ अपनी क्रेडिट प्रोफाइल की जानकारी भी एक ही प्लेटफॉर्म पर प्राप्त कर सकेंगे। यह व्यवस्था ग्राहक की सहमति आधारित मॉडल पर काम करेगी, जिसमें अनुमति मिलने के बाद ही जानकारी उपलब्ध होगी। ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी एवं सीईओ भावेश जैन ने कहा कि यह कदम क्रेडिट जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। वहीं एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड की एमडी एवं सीईओ ललिता नटराज ने कहा कि इससे उपयोगकताओं को रोजमर्रा के लेनदेन के साथ अधिक सूचित वित्तीय निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

बिरसानगर में नकद समेत दो लाख की चोरी

जमशेदपुर : बिरसानगर थाना अंतर्गत जोन नंबर 3 हरि मंदिर के पास रहने वे सुरेश गोप के घर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। घटना सोमवार देर रात एक बजे की बताई जा रही है। सुरेश को पत्नी मंजू ने बताया कि वे लोग घर में सोए हुए थे रात को तीन की संख्य में चोर घर में घुसे और पहले अलमारी का ताला तोड़कर अंदर रखे चाबी से लॉकर को खोला और नकद समेत गहने चुरा लिए। चोरों ने मोबाइल भी चोरी करने का प्रयास किया पर मंजू की आंख खुल गई। इतने में एक चोर ने मंजू का गला दबा दिया।
इसी बीच सभी मौके से फरार हो गए। सुरेश के अनुसार चोरों ने घर में रखे 70 हजार नकद समेत दो लाख के गहने चुराए है। सुरेश के अनुसार 3 मई को उनको भतीजी की शादी है इसी के लिए रुपए और गहने घर पर रखे थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पैरामेडिकल छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

जमशेदपुर : एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पैरामेडिकल छात्रों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने कहा कि वह लोग पैरामेडिकल के छात्र हैं और टेक्नीशियन का काम करने के लिए योग्य है लेकिन उनसे मरीज को टोकन बंटवाया जा रहा है। ऐसे में उन लोगों के गुणवत्ता का दुरुपयोग हो रहा है। इन लोगों ने मांग की है कि उन्हें सही जगह पर काम दिया जाए ताकि वह लोग कुछ नई चीजों को विशेष कर सके और मरीजों को भी सहयोग मिल सके।

आरपीएफ ने छह वारंटियों को पकड़कर भेजा जेल

जमशेदपुर : टाटानगर के आरपीएफ जवानों ने रेल संपत्ति चोरी एवं अन्य मामलों में फरार छह वारंटियों को पकड़कर सोमवार को जेल भेज दिया। जबकि, मंगलवार को दर्जनभर लोगों को रेलवे प्रावधान उल्लंघन के आरोप में स्टेशन और लोकल ट्रेनों से पकड़कर टाटानगर रेलवे कैंप कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी जुमार्ना देकर रिहा हुए। बताया जाता है कि, रेलवे में महिला बोगी से पुरुष, दिव्यांग कोच से स्वस्थ यात्री और अवैध हॉकर को आरपीएफ ने औचक जांच अभियान चलाकर पकड़ा था।

मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाएगा रेलवे

जमशेदपुर : टाटानगर रेलवे इंजीनियरिंग विभाग मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में बुधवार को बमार्माइंस या गुदरी बाजार से अतिक्रमण हटाएगा। चक्रधरपुर मंडल के पत्र पर जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रेट नियुक्त कर दिया है। इससे 22 और 28 अप्रैल को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलना तय हो गया। बताया जाता है कि, स्टेशन विकास और निर्माण कार्य को लेकर रेलवे ने जमीन से अतिक्रमण हटाने का नोटिस पहले दे चुका है। वहीं, बागबेड़ा थाना, बमार्माइंस थाना और आरपीएफ को भी सुरक्षा के तहत पत्र दिया गया है।

23 को हटिया और पुरुलिया की ट्रेनें होंगी रद्द

जमशेदपुर : आद्रा मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण हटिया-टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस और झारग्राम-पुरुलिया-झारग्राम मेमू ट्रेन भी 23 अप्रैल को रद्द रहेगी। जबकि, 21 अप्रैल मंगलवार को भी दोनों ट्रेनें रद्द थी। टाटानगर-आसनसोल मेमू ट्रेन 21 और 23 अप्रैल को आद्रा तक चलेगी। टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस का मार्ग 22 व 25 अप्रैल को चांडिल से बदला जाएगा। मेमू ट्रेनों के रद्द होने से झारखंड और पश्चिम बंगाल के विभिन्न स्टेशनों के सैकड़ों यात्रियों को आवागमन में दिक्कत होगी।

दुर्गापुर से बलसाड और उधना के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

धनबाद : दुर्गापुर से धनबाद होकर बलसाड और उधना के लिए स्पेशल ट्रेन चलेगी। 09143 बलसाड-दुर्गापुर स्पेशल ट्रेन 21 अप्रैल को और 09144 दुर्गापुर-बलसाड स्पेशल ट्रेन 23 अप्रैल को दुर्गापुर से चलेगी। बलसाड स्पेशल ट्रेन बलसाड से दोपहर 12.50 बजे खुलेगी और 22 अप्रैल की रात 12.10 बजे धनबाद और सुबह 4.20 बजे दुर्गापुर पहुंचेगी। दुर्गापुर स्पेशल ट्रेन सुबह सात बजे दुर्गापुर से खुलेगी। सुबह ट्रेन 9.30 बजे धनबाद और 24 अप्रैल की शाम 5.30 बजे बलसाड पहुंचेगी।इसी तरह 09175 उधना-दुर्गापुर स्पेशल ट्रेन 22 और 23 अप्रैल को उधना से सुबह 8.35 बजे खुलेगी। ट्रेन अगले दिन शाम 6.10 बजे धनबाद और रात 8.50 बजे दुर्गापुर पहुंचेगी।

होमगार्ड बहाली में शहरी गैर तकनीकी अभ्यर्थियों ने लगाई दौड़

धनबाद : बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में चल रही होमगार्ड बहाली के 12वें दिन सोमवार को शहरी गैर तकनीकी के अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इसके लिए 2990 अभ्यर्थियों को एनरोल किया गया था। संख्या अत्यधिक होने के कारण इनके लिए तीन दिन में परीक्षा ली जा रही है। दूसरे दिन सोमवार को 1199 लोगों को दौड़ में हिस्सा लेना था, जिसमें 93 अभ्यर्थी सफल हुए। तीसरे दिन मंगलवार को क्रम संख्या 1745 से 2990 के अभ्यर्थी भाग लेंगे। बहाली प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए पूरी कार्यवाही की सीसीटीवी और वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चयन केवल योग्यता और शारीरिक दक्षता के आधार पर ही किया जा रहा है।

हावड़ा से वटवा के बीच चलेगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन

धनबाद : हावड़ा से वटवा के बीच दो जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। धनबाद-कोडरमा होकर दोनों स्पेशल ट्रेन पांच फेरा चलेगी। 09479 वटवा-हावड़ा स्पेशल 20 और 26 अप्रैल को शाम 4.45 बजे वटवा से खुलेगी। ट्रेन सूरत, जबलपुर, प्रयागराज छिवकी, डीडीयू होते हुए देर रात 2.50 बजे धनबाद और सुबह नौ बजे हावड़ा पहुंचेगी। 09480 हावड़ा-वटवा स्पेशल 22 और 28 अप्रैल को शाम सात बजे हावड़ा से खुलेगी। ट्रेन रात 10.35 बजे धनबाद और अगले दिन दोपहर 12.15 बजे वटवा पहुंचेगी।इसी तरह 09481 वटवा-हावड़ा स्पेशल 21, 22 व 27 अप्रैल को शाम 4.45 वटवा से खुलेगी।

मानसून से पहले जलजमाव से मुक्ति की तैयारी 16 वार्डों में व्यापक नाला सफाई अभियान हैं शुरू

मेट्रोरेज संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू) : मानसून की दस्तक से पहले हुसैनाबाद नगर पंचायत प्रशासन पूरी तरह से रेस हो गया है। शहरवासियों को जलजमाव और नारकीय स्थिति से बचाने के लिए नगर पंचायत के सभी 16 वार्डों में बड़े पैमाने पर नाला सफाई अभियान की विधिवत शुरूआत कर दी गई है। नगर पंचायत के अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने वार्ड संख्या सात के इस्लामगंज से इस विशेष सफाई अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया हैं। इस दौरान उन्होंने खुद कार्यस्थल पर मौजूद रहकर सफाई कार्य का जायजा लिया और स्वच्छता कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सफाई अभियान की गति देते हुए नगर अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य बरसात के दौरान शहर की सड़कों पर होने वाले जलजमाव की समस्या को जड़ से खत्म करना है। मानसून के आने से पहले नगर पंचायत के सभी 16 वार्डों के छोटे-बड़े

नालों की वृहद स्तर पर सफाई कराई जा रही है। अगर नालों की सफाई समय पर हो जाएगी, तो पानी की निकासी सुचारू रहेगी और आम जनता को गंदगी व संक्रमण का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान सभी 16 वार्डों के अलावा नगर पंचायत के हर गली-मुहल्ले को कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वृहद स्तर पर सफाई होगी। मुख्य सड़कों के बड़े नालों के साथ-साथ वार्डों के भीतर की छोटी नालियों से भी गंदगी निकालने का काम युद्ध स्तर पर होगा। समय रहते सफाई होने से मच्छरों के प्रकोप और बरसात के मौसम में फैलने वाली बीमारियों पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। नगर अध्यक्ष ने नगरवासियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे नालियों में कूड़ा-कचरा न फेंकें और प्लास्टिक के उपयोग से बचें, ताकि जल निकासी में कोई बाधा न आए। इस मौके पर सफाई जमादार अवधेश राम, रवि कुमार, संजीत कुमार के अलावा नगर पंचायत के कई कर्मी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की है।

गढ़वा के नए उपायुक्त अनन्य मित्तल के योगदान देने से जिला में दिखेगा भरपूर विकास गति

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2015 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले आईएएस अधिकारी अनन्य मित्तल गढ़वा के नए उपायुक्त के रूप में योगदान दिया है अपने विकास कार्यों के लिए पूरे राज्य में पहचाने जाने वाले श्री मितल सर्वप्रथम धनबाद के अनुमंडल पदाधिकारी सिमडेगा के डीडीसी एवं रांची के भी डी डीसी रह चुके हैं तत्पश्चात पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के उपायुक्त तथा पूर्वी सिंहभूम के लोकप्रिय उपयुक्त रह चुके हैं गढ़वा जिला में उनकी उपायुक्त के रूप में तीसरी पदास्थापना है गढ़वा जिला में योगदान देने के पश्चात यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि

जिस प्रकार से उन्होंने पूर्व के दोनों जिला में विकास कार्यों से पूरे राज्य मैं बेहतर और उत्कृष्ट पहचान दिलाई इस प्रकार से गढ़वा जिला का भी भरपूर विकास होगा श्री मित्तल जैसे आईएएस अधिकारी से जिला और राज्य दोनो गोरवान्वित होते हैं

बंगाल के न्यायालय से सैफी को धनबाद लाने की नहीं मिली अनुमति

धनबाद : गैंग्स ऑफ वासेपुर के कुख्यात प्रिंस खान के करीबी सैफ अब्बास नकवी उर्फ सैफी उर्फ मेजर को धनबाद लाने की कोशिश में सोमवार को धनबाद पुलिस को सफलता नहीं मिल सकी। कोलकाता के व्यवहार न्यायालय में ट्रांजिट रिमांड की अर्जी दाखिल कर धनबाद पुलिस ने उसे धनबाद लाने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट से अनुमति नहीं मिलने के कारण मंगलवार को उसे धनबाद नहीं लाया जा सका। मंगलवार को फिर से धनबाद पुलिस कोलकाता कोर्ट में नए सिरे से प्रयास करेगी। निरसा के तेतुलिया स्थित अंकुर बायोकेम प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी महेंद्र शर्मा से सैफी ने पिछले साल रंगदारी मांगते हुए अंकुर बायोकेम को बम उड़ाने की धमकी दी थी।
इस मामले में आसनसोल के थाने में भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बंगाल पुलिस इस मामले में उसे जेल भेजना चाहती है। हालांकि धनबाद पुलिस का तर्क है कि धनबाद में उसके खिलाफ अधिक मामले हैं। इसलिए उसे ट्रांजिट रिमांड के आधार पर धनबाद लाने की अनुमति दी जाए। सोमवार को सुनवाई के बाद धनबाद पुलिस की अर्जी पर कोलकाता कोर्ट में आदेश नहीं आ सका। डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम और सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम सैफी को धनबाद लाने के लिए कोलकाता गए हैं। धनबाद लाकर उसे धनबाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।---सैफी से मिलेगा गिरोह के खिलाफ ठोस सबूतसैफी की गिरफ्तारी की खबर से प्रिंस खान गिरोह में खलबली है। प्रिंस खान को मदद करने वाले सफेदपोश का भी भेद खुलने वाला है। सैफी गिरोह के सारे भेद जानता है। वह पुलिस को प्रिंस से जुड़े लोगों के संबंध में तकनीकी साक्ष्य भी दे सकता है। वर्चुअल कॉलिंग से लेकर रंगदारी मांगने और रंगदारी की रकम के कलेक्शन से लेकर हवाला के जरिए रुपए के दुबई पहुंचने तक की पूरी कहानी सैफी को पता है। पैसों के लेनदेन की भी पूरी जानकारी सैफी को है। धनबाद पुलिस उससे जानकारी लेकर प्रिंस खान गिरोह की कब्र खोदने की तैयारी में है।

विपक्ष ने रोका महिलाओं के 33% आरक्षण का हक : रघुवर दास

संवाददाता

धनबाद : बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सीएम रघुवर दास ने महिला आरक्षण विधेयक पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने विपक्षी दलों को कठघरे में खड़ा किया है. रघुवर दास ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, झामुमो, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ है. अपने आरोप में उन्होंने कहा कि इन दलों ने विधेयक को रोककर महिलाओं के सशक्तिकरण के रास्ते में बाधा डाली है, जिसे देश और झारखंड की जनता भूलने वाली नहीं है.
केंद्र ने बढ़ाई महिलाओं की गरिमाः रघुवर दास
रघुवर दास ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्वच्छता अभियान के तहत करोड़ों घरों में शौचालय बनवाकर महिलाओं की गरिमा बढ़ाई है. मुद्रा योजना जैसी पहल से भी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास किया गया है. आज महिलाएं सेना, खेल और अन्य क्षेत्रों में

उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं.
उन्होंने आगे बताया कि इसी सोच के तहत केंद्र सरकार ने 2023 में लोकसभा और विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश किया था लेकिन जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति करने वाले दलों ने इसे आगे नहीं बढ़ने दिया. बाद में 131वां संविधान संशोधन विधेयक लाया गया, जिसका भी विपक्षी दलों ने विरोध किया.
पूर्व सीएम रघुवर दास के मुताबिक, यदि यह विधेयक पारित हो जाता तो 2029 तक महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33% आरक्षण मिल सकता था. उन्होंने बताया कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया में समय लगता है, इसलिए सरकार ने सीटों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था ताकि किसी वर्ग को नुकसान न हो. बावजूद इसके विपक्ष ने इसे रोक दिया.
अपनी बात को जारी रखते हुए उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस, झामुमो, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों का महिला विरोधी रवैया अब जनता के सामने आ चुका है और देश की महिलाएं उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी. मीडिया द्वारा पूछे जाने पर क्या पश्चिम बंगाल चुनाव पर इसका कोई असर दिखेगा तो इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पूरे देश की महिलाएं इसका जवाब देंगी.

वंदे भारत कोच डिपो की लंबित स्वीकृति का सांसद ने किया आग्रह

जमशेदपुर : सांसद विद्युतवरण महतो ने संसद के विशेष सत्र के बाद रेलवे के कार्यपालक निदेशक (जन शिकायत) विकास जैन से मुलाकात कर टाटानगर और आसपास के रेल परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि पांड्रासाली और कांड्रा के बीच चौथी एवं पांचवीं रेलवे लाइन के निर्माण और टाटानगर के पास सैटेलाइट स्टेशन विकसित करने की योजना को फाइनल लोकेशन सर्वे की स्वीकृति मिल चुकी है। सांसद ने टाटानगर स्टेशन पर चार अतिरिक्त लूप लाइन और प्लेटफॉर्म (लगभग 482 करोड़ रुपये) तथा वंदे भारत कोच डिपो (करीब 383.78 करोड़) की लंबित स्वीकृति को जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया। इसपर आश्वासन दिया गया कि प्रस्ताव रेल मंत्री के संज्ञान में है और जल्द निर्णय होगा। टाटा-जयपुर सीधी ट्रेन सेवा के प्रस्ताव में छोटे रूट का सुझाव दिया गया है। साथ ही अंत्योदय एक्सप्रेस के पुनः परिचालन और टाटा-बेंगलुरु के बीच नई ट्रेन चलाने की मांग भी दोहराई गई। सांसद ने कहा कि इन योजनाओं के लागू होने से टाटानगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

कोडरमा में अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

ट्रेन में महिलाओं के गहनों पर करते थे हाथ साफ

संवाददाता

कोडरमा : जिले के कोडरमा रेलवे पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जीआरपी ने अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। साथ ही ट्रेन में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देने वाली दो महिलाओं को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के मनोसाखली (पश्चिम बंगाल) के रहने वाले आशीष प्रधान (46) सहित धनबाद के कतरास की रहने वाली संजना पासी (30) और प्रियंका पासी (26) के नाम शामिल हैं।
आरोपी व्यक्ति से की गई पूछताछ
मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह कोडरमा स्टेशन पर गयाजी से आसनसोल जा रही पैसेंजर ट्रेन में चढ़ रही एक महिला के गले से एक व्यक्ति ने चेन छीन ली। इसके बाद महिला व उसके पति के शोर मचाने पर वहां मौजूद जीआरपी के जवान ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उससे पूछताछ की गई।
आरोपी पहले हलवाई का काम करता था पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल का रहने वाला है और पश्चिम बंगाल में एक मिठाई की दुकान में हलवाई के रूप में काम किया करता था। मगर नए काम की तलाश के दौरान उसकी मुलाकात बापी

सरदार, सुबो गईन तथा महताब से हुई, जो ट्रेन यात्री को अपना निशाना बनाते हैं। इसके बाद आशीष प्रधान भी इन लोगों के गैंग में शामिल हो गया और छिनतई जैसी कई घटनाओं को अंजाम देने लगा। रविवार को भी आशीष पश्चिम बंगाल से कोडरमा पहुंचा और इसी दौरान उनकी नजर एक महिला पर पड़ी। जैसे ही महिला गया-आसनसोल पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने लगी, इसने उसके गले से चेन खींच ली। पीड़ित महिला और उसके पति शोर मचाने लगे और मौके पर जीआरपी ने उसे पकड़ लिया। हालांकि महिला की चेन आरोपी के साथी वहां से लेकर भागने में सफल रहे। जीआरपी द्वारा पूछताछ करने पर पता चला कि यह चारों शातिर बदमाश देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर ट्रेन व बसों में चढ़ने वाले यात्रियों को अपना निशाना बनाते हैं। ये सभी पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं।
चारों शातिर बदमाश ट्रेन व बसों में यात्रियों को निशाना बनाते हैं
इसी दौरान उनकी नजर एक महिला पर पड़ी जिसने सोने की चेन पहन रखी थी। जैसे ही महिला गया-आसनसोल पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने लगी, इसने बड़ी चालाकी से उसके गले से चेन खींच ली और अपने साथ आए बापी सरदार को थमा दी। इसी बीच वह महिला और उसके पति शोर मचाने लगे और इन लोगों को शक हो गया। इसके बाद जीआरपी द्वारा उसे पकड़ लिया गया। हालांकि महिला के गले से छीना हुआ मंगलसूत्र इसके साथी वहां से लेकर भागने में सफल रहे। जीआरपी द्वारा पूछताछ करने पर पता चला कि यह चारों शातिर बदमाश देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर ट्रेन व बसों में चढ़ने वाले यात्रियों को अपना निशाना बनाते हैं और छिनतई की घटना को अंजाम देते हैं। इन कांडों में यह सभी पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं।
शक होने पर दो महिलाओं को हिरासत में लिया गया
इस घटना के बीच जीआरपी थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार को रेल प्रशासन से सूचना मिली कि एक महिला के साथ धनबाद-गया इंटरसिटी एक्सप्रेस में गोमोह रेलवे स्टेशन पर छिनतई की वारदात हुई है। इसके बाद जीआरपी तथा आरपीएफ द्वारा संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेन में मौजूद दो महिलाओं पर शक हुआ। इसके बाद दोनों को ट्रेन से नीचे उतारा गया और उनसे पूछताछ की गई। इस दौरान उनकी तलाशी लेने पर उनके पास से महिला यात्री से छिनतई किए गए मंगलसूत्र व मोतियों की माला बरामद कर ली गई। इसके पश्चात दोनों महिलाओं को जीआरपी पोस्ट लाया गया।
पूछताछ में दोनों महिलाओं ने बताया कि वे लोग ट्रेन में चालाकी से सामानों की चोरी किया करती हैं। इसी क्रम में रविवार को ये लोग गोमोह स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस में चढ़ने के क्रम में एक महिला को धक्का देकर गिरा दिया और मौका पाकर उसके मंगलसूत्र तथा उसकी मोतियों की माला को चुरा लिया।
बाकी आरोपियों की खोजबीन जारी है
इधर जीआरपी द्वारा दोनों महिलाओं के पास से बरामद सामानों की जब्ती सूची बनाते हुए दोनों मामलों के अभियुक्तों को धनबाद भेज दिया गया है, जहां से तीनों को न्यायायिक हिरासत भेज दिया जाएगा। इधर जीआरपी प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि अंतर्राज्यीय छिनतई गिरोह के बाकी सदस्यों की खोजबीन की जा रही है। जल्द ही वे भी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।